mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-287 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
18 अक्टूबर 2025 शनिवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

धर्मेंद्रसिंह जडेजा की...
@ पेज 7

छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में 210 इनामी नक्सली कैडर मुख्यधारा में लौटे, 153 हथियार सौंपे

संविधान की किताब-गुलाब से स्वागत, कार से आया सेंट्रल कमेटी मेंबर रूपेश

जगदलपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अरुण देव गौतम के समक्ष उपस्थित होकर 210 इनामी नक्सली कैडर मुख्यधारा में लौटे और अपने 153 हथियार पुलिस को सौंपे। आत्मसमर्पित करने वाले नक्सली कैडरों में एक करोड़ से पांच लाख तक के इनामी शामिल हैं। छत्तीसगढ़ सरकार की व्यापक नक्सल उन्मूलन नीति तथा पुलिस, सुरक्षाबलों, स्थानीय प्रशासन और अन्य हितधारकों के प्रयासों की ऐतिहासिक उपलब्धि के तहत आज अधिकारिक तौर पर दण्डकारण्य क्षेत्र के कुल 210 इनामी नक्सली कैडर जिनमें एक सेंट्रल कमेटी सदस्य, 4

डीकेएसजेडसी सदस्य 21 डिविजनल कमेटी सदस्य तथा अन्य वरिष्ठ नक्सली कैडर शामिल हैं। उन्होंने हिंसा का मार्ग छोड़कर सामाजिक मुख्यधारा में वापसी की। इस निर्णायक और ऐतिहासिक घटनाक्रम से क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियानों के इतिहास में नक्सली कैडरों के सबसे बड़े सामूहिक पुनर्समावेशन के रूप में दर्ज होगी। शीर्ष नक्सली कैडर सीसीएम रूपेश उर्फ सतीश, डीकेएसजेडसी भास्कर उर्फ राजमन मांडवी, डीकेएसजेडस रनीता, डीकेएसजेडस राजू सलाम, डीकेएसजेडस धन्नू वेत्ती उर्फ संतू, आरसीएम रतन एलम समेत कुल 210 इनामी नक्सली कैडर मुख्यधारा में लौट आए हैं। नक्सली कैडरों ने कुल 153 हथियार समर्पित कर हिंसा और हथियारबंद संघर्ष से अपने जुड़ाव का प्रतीकात्मक अंत किया है।

छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद से 2100 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण : अमित शाह

जगदलपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद से अब तक 2100 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं। इसके अलावा करीब दो हजार नक्सलियों को गिरफ्तार और लगभग पांच सौ को निष्प्रभावी किया गया है। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने आज सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि जनवरी 2024 में छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार बनने के बाद से 2100 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है जबकि 1785 को गिरफ्तार किया गया है और 477 को निष्प्रभावी किया गया है। यह 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के हमारे दृढ़ संकल्प का प्रतिबिम्ब है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में गुरुवार को 170 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। एक दिन पहले 27 ने हथियार डाले थे। महाराष्ट्र में भी 61 नक्सली हथियार त्याग कर मुख्यधारा में लौटे।

देशी लड़ाकू विमान तेजस एमके1ए ने भरी पहली उड़ान

राजनाथ सिंह बोले- मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो गया

नासिक, एजेंसी। भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एमके1ए ने आज अपनी पहली उड़ान भरी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के नासिक स्थित एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग डिविजन में यह उड़ान हुई। भारत में लड़ाकू विमान निर्माण की दिशा में यह अहम पल है। इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। राजनाथ सिंह आज एलसीए एमके1ए की तीसरी प्रोडक्शन लाइन और साथ ही एचटीटी-40 एयरक्राफ्ट की दूसरी प्रोडक्शन लाइन का भी उद्घाटन करेंगे।

राजनाथ सिंह बोले- ये उड़ान, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की मिसाल : इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आज, एचएएल की तीसरी उत्पादन लाइन का उद्घाटन हो रहा है, जो एलसीए एमके1ए तेजस बनाती है, और एचटीटी 40 विमान की दूसरी उत्पादन लाइन है। मैं एचएएल में सभी को बधाई देता हूं। नासिक एक ऐतिहासिक भूमि है जहां भगवान शिव त्र्यंबक के रूप में निवास करते हैं। नासिक आस्था, भक्ति, आत्मनिर्भरता और क्षमता का प्रतीक बन गया है। यहां एचएएल देश की रक्षा ताकत का प्रतिनिधित्व करता है। जब मैंने आज सुखोई Su-30, एलसीए तेजस और HTT-40 को उड़ान भरते देखा, तो मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो गया। ये उड़ान, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की मिसाल है। एचएएल ने भारत के लिए एक मजबूत स्तंभ के रूप में काम किया है। 60 से अधिक वर्षों से, एचएएल नासिक ने भारत की रक्षा निर्माण क्षमताओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है दूसरी ओर, यह विनाश का भी प्रतिनिधित्व करता है और इसमें शत्रुओं को समाप्त करने की शक्ति होती है।

घरेलू विनिर्माण 100 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य

राजनाथ सिंह ने कहा, एक समय था जब देश अपनी रक्षा जरूरतों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था और लगभग 65-70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किए जाते थे लेकिन आज, यह स्थिति बदल गई है; अब भारत 65 प्रतिशत विनिर्माण अपनी धरती पर कर रहा है। बहुत जल्द, हम अपने घरेलू विनिर्माण को भी 100 प्रतिशत तक ले जाएंगे। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 25 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो कुछ साल पहले एक हजार करोड़ रुपये से भी कम था। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने अब 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण में तीन लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात में 50 हजार करोड़ रुपये हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

पहले 16 मंत्रियों का इस्तीफा, फिर 26 की शपथ, गुजरात कैबिनेट में 19 नए चेहरे

हर्ष संघवी उपमुयमंत्री; सीएम समेत 8 मंत्री पटेल समाज से

गांधीनगर, एजेंसी। गुजरात में भूपेंद्र पटेल सरकार की नई कैबिनेट ने शपथ ली। 26 विधायकों को मंत्री बनाया गया है। इनमें 3 महिलाएं हैं। पटेल समाज से सीएम समेत 8 मंत्री होंगे। 8 OBC, 3 SC, 4 ST और 3 महिलाएं हैं। 19 नए चेहरे हैं। सबसे पहले हर्ष संघवी ने शपथ ली। उन्हें डिप्टी सीएम बनाया गया है। पहले वे राज्य के गृह मंत्री थे। क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा को भी मंत्री बनाया गया है। इससे पहले गुरुवार को सभी 16 मंत्रियों ने सीएम को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। इस फेरबदल को राज्य में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी से जोड़ा जा रहा है। गुजरात कैबिनेट में सीएम समेत 17 मंत्री थे, जिसमें 8 कैबिनेट और 8 राज्य मंत्री (MoS) थे। अब यह संख्या बढ़कर 26 हो गई है।

फेरबदल की 5 वजह, पटेल समाज को ज्यादा जगह

- **स्ट्रेटेजिक रीसेट :** भाजपा ने महज 3 साल में सीएम के अलावा पूरी सरकार को बदल दिया है। पार्टी ने भूपेंद्र पटेल के सभी 16 मंत्रियों से इस्तीफा देने को कहा, ताकि नया मंत्रिमंडल बनाने के लिए पूरी आजादी मिले।
- **कमजोर परफॉर्मेंस :** जानकारी के मुताबिक कई मंत्रियों का प्रदर्शन कमजोर था। पार्टी लीडरशिप उनकी जगह नए चेहरे लाकर सरकार का कामकाज बेहतर करना चाहती थी।
- **जातीय समीकरण :** पिछली कैबिनेट में सीएम भूपेंद्र पटेल के साथ कुल 16 मंत्री थे। भाजपा गुजरात की पटेल कम्युनिटी को मंत्रिमंडल में ज्यादा जगह देना चाहती थी।
- **लोकल इलेक्शन-** गुजरात में अगले कुछ महीनों में लोकल बॉडी चुनाव होने हैं। पिछले महीने बिसावदर विधानसभा उपचुनाव में पार्टी की हार के बाद भाजपा नए चेहरों को मौका देना चाहती है।
- **ज्यादा नेताओं की हिस्सेदारी :** गुजरात विधानसभा में 182 सीटें हैं। नियम के मुताबिक कुल सीटों के 15% तक मंत्री हो सकते हैं। इस हिसाब से गुजरात में मुख्यमंत्री के साथ 26 मंत्री बनाए जा सकते हैं। इससे ज्यादा नेताओं को सरकार में शामिल किया जा सकता है।

तमिलनाडु सरकार से बोला शीर्ष कोर्ट

आपको राष्ट्रपति संदर्भ पर हमारी सलाह का इंतजार करना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तमिलनाडु सरकार से कहा कि वह राष्टपति संदर्भ पर सलाह का इंतजार करे, उसके बाद ही अपनी उस याचिका पर आगे बढ़े, जिसमें राज्यपाल आर. एन. रवि के कदम को चुनौती दी गई है। राज्यपाल ने तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा एवं खेल विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी देने की बजाय राष्टपति के पास भेज दिया था।

चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि इस मामले की सुनवाई संविधान पीठ के फैसले के बाद होगी। बेंच ने कहा, आपको राष्टपति संदर्भ के नतीजे का इंतजार करना होगा। मुश्किल से चार हफ्ते ही लगेंगे। यह फैसला 21 नवंबर से पहले आ जाएगा (क्योंकि तक तकजस्टिस गवई सेवानिवृत्त हो जाएंगे)।

शीर्ष कोर्ट ने 11 सितंबर को उस राष्टपति संदर्भ पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसमें यह सवाल उठाया गया था कि क्या सांविधानिक अदालतें राज्यपालों और राष्टपति को किसी विधेयक पर हस्ताक्षर करने के लिए समयसीमा तय कर सकती हैं। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि राज्यपाल किसी विधेयक को राष्टपति के पास नहीं भेज सकते, जब उन्हें मंत्रिपरिषद की सलाह और अनुशंसा मिल चुकी हो। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि वर्ष 2015 से 2025 तक देशभर के राज्यपालों की ओर से कुल 381 संदर्भ राष्टपति के पास भेजे गए हैं। उन्होंने कहा, अगर ऐसे मामलों को न्यायिक समीक्षा के दायरे में लाया गया, तो माननीय न्यायालय को इन मुद्दों के लिए दो स्थायी पीठें बनानी पड़ेंगी।

राज्य की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि असल सवाल यह है कि क्या राज्यपाल हर विधेयक की हर धारा को जज की तरह जांच सकते हैं। तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी याचिका में कहा है कि राज्यपाल द्वारा विधेयक को राष्टपति के विचार के लिए भेजना स्पष्ट रूप से असांविधानिक, संविधान के अनुच्छेद 163(1) और 200 का उल्लंघन है और इसे शुरू से ही अवैध माना जाना चाहिए। याचिका के मुताबिक, यह विधेयक छह मई 2025 को मुख्यमंत्री की अनुशंसा के साथ राज्यपाल को मंजूरी के लिए भेजा गया था। लेकिन 14 जुलाई को राज्यपाल ने यह कहते हुए इसे राष्टपति के पास भेज दिया कि यह यूजीसी नियमावली 2018 की धारा 7.3 से टकरा सकती है।

सबरीमाला मंदिर से सोने की चोरी का मामला, मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल के प्रसिद्ध सबरीमाला मंदिर से सोने की चोरी के मामले में विशेष जांच टीम ने मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी को गिरफ्तार कर लिया है। बंगलूरू के उद्योगपति पोट्टी को पुलीमठ स्थित उसके आवास से गुरुवार को हिरासत में लिया गया था। इससे पहले क्राइम ब्रांच की टीम तिरुवनंतपुरम में उससे पूछताछ कर रही थी। पूछताछ के बाद विशेष जांच टीम ने उसका बयान दर्ज किया और फिर शुक्रवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस हिरासत में होगी पूछताछ- गिरफ्तारी के बाद उन्नीकृष्णन पोट्टी को मेडिकल जांच के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया। दोपहर तक उन्नीकृष्णन पोट्टी को पथानमथिट्टा स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उन्हें स्थानीय अदालत में पेश किया गया। एसआईटी आगे की जांच के लिए उन्नीकृष्णन पोट्टी की पुलिस हिरासत मांग सकती है। सबरीमाला मंदिर में द्वारपालकों की मूर्तियों और श्रीकोविल के दरवाजों से सोने की चोरी हुई है। मंदिर की द्वारपालकों की मूर्तियों और दरवाजों पर सोने की परत चढ़ाने के काम में लगभग 4.54 किलोग्राम सोने की कमी के मामले की जांच चल रही है। इसकी जांच के लिए केरल हाईकोर्ट ने एसआईटी गठित की। एसआईटी की टीम त्रावणकोर देवास्वम बोर्ड के सदस्यों और अधिकारियों से पूछताछ कर रही है।

उत्तराखंड में बढ़ी उल्लू की तस्करी, करोड़ों में कीमत

अमीर बनाने का सपना दिखाते हैं तांत्रिक, ज्योतिषी बोले- पुण्य के नाम पर ये पाप

हल्द्वानी, एजेंसी। दीपावली नजदीक आते ही उत्तराखंड के जंगलों में उल्लुओं की जान फिर खतरे में पड़ गई है। मां लक्ष्मी के वाहन माने जाने वाले इन पक्षियों को लेकर अंधविश्वास और तांत्रिक मान्यताओं के कारण तस्कर सक्रिय हो जाते हैं। माना जाता है कि दीपावली पर तंत्र साधना या सिद्धि पाने के लिए उल्लू की बलि देने से धन प्राप्त होता है।

इसी अंधविश्वास के चलते हर साल दीपावली से पहले उल्लुओं के शिकार और अवैध व्यापार की घटनाएं बढ़ जाती हैं। तराई पूर्वी वन प्रभाग हल्द्वानी समेत राज्यभर में वन विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है। विभाग ने जंगलों में गश्त तेज कर दी है और सभी फील्ड स्टाफ की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं डीएफओ प्रकाश चंद्र ने बताया कि दीपावली पर प्रतिबंधित वन्यजीवों की तस्करी की आशंका अधिक होती है, इसलिए सभी वनकर्मियों को 24 घंटे की निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तत्काल रिपोर्ट करने को कहा गया है।

अंधविश्वास बना उल्लुओं का दुश्मन : ज्योतिषाचार्य डॉ. नवीन चंद्र जोशी के अनुसार, उल्लू की बलि देना महापाप है। उन्होंने कहा- उल्लू मां लक्ष्मी का वाहन है, इसलिए उसकी हत्या से देवी कभी प्रसन्न नहीं होतीं। यह सिर्फ अंधविश्वास है, जो पुण्य के नाम पर पाप की राह दिखाता है।

तस्करों का 'त्योहार कारोबार'

पिछले कुछ वर्षों में दिवाली से पहले उल्लू की अवैध बिक्री का बड़ा नेटवर्क सक्रिय हो जाता है। तंत्र-मंत्र के लालच में इनकी कीमत 1 लाख से लेकर 1 करोड़ रुपए तक लगाई जाती है। सबसे ज्यादा डिमांड पांच पंजे वाले और ढाई किलो वजन वाले उल्लुओं की बताई जाती है। वन्यजीव विशेषज्ञों के मुताबिक, यूपी, एमपी, राजस्थान और बंगाल से लेकर अब उत्तराखंड तक इनकी तस्करी होती है। तस्कर इन्हें जंगलों से पकड़कर तांत्रिकों और कुछ उच्चवर्गीय लोगों तक पहुंचाते हैं।

दुर्गापुर गैंगरेप केस: पीड़ित एक आरोपी की गर्लफ्रेंड, वॉटसएप चैट से खुलासा

पुलिस बोली- दोनों ने बयान बदलकर गुमराह किया

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में MBBS स्टूडेंट से गैंगरेप केस में पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार 6 आरोपियों में से एक पीड़ित का बॉयफ्रेंड है। दोनों रिलेशन में थे, 10 अक्टूबर को जब स्टूडेंट के साथ रेप हुआ, तो वह बॉयफ्रेंड के साथ ही कॉलेज कैंपस से बाहर गई थी। एक अधिकारी ने बताया कि जिस आरोपी को सबसे आखिरी में अरेस्ट किया गया। वह पीड़ित का क्लासमेट है और वे घटना वाली रात डेट पर बाहर गए थे। दोनों के रिलेशनशिप का खुलासा उनकी वॉट्सएप चैट से भी हुआ। पुलिस के अनुसार, पीड़ित और उसके दोस्त ने बताया कि घटना वाली रात वे एक श्मशान घाट के पास जंगल में गए थे। वहां तीन बदमाशों ने उनका पीछा किया और अचानक हमला कर दिया। जिसके बाद आरोपियों ने रेप किया। पुलिस अधिकारी ने आगे कहा कि पीड़ित और उसका दोस्त बार-बार अपना बयान बदल रहे हैं। ऐसा लगता है वे जानबूझकर गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। 14 अक्टूबर को बॉयफ्रेंड को अरेस्ट किया गया था पुलिस ने मंगलवार को पीड़ित के दोस्त वासिफ अली को गिरफ्तार किया था। इससे पहले पुलिस ने मुख्य आरोपी सफीक एसके को भी गिरफ्तार कर लिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुख्य आरोपी की बड़ी बहन रोजीना ने अपने फरार भाई को गिरफ्तार कराने में मदद की। रोजीना ने बताया कि 13 अक्टूबर को जब उसका भाई दुर्गापुर में अंडाल पुल के नीचे उससे मिलने पहुंचा तो वह पुलिस को लेकर वहां पहुंच गई।

इसके बाद पुलिस ने उसे घेरकर गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले एसके रियाजुद्दीन, अपू बरुई और फिरदौस एसके को 12 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था। रियाजुद्दीन पहले पीड़ित छात्रा के मेडिकल कॉलेज में गार्ड था। उसे पांच साल पहले नौकरी से निकाल दिया था। दुर्गापुर पुलिस मंगलवार को पांचों आरोपियों और पीड़ित के दोस्त को लेकर जंगल में घटनास्थल पर पहुंची और उनसे 10 अक्टूबर की रात गैंगरेप के समय अपना-अपना रोल दोहराने को कहा।

बेंगलुरु के इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्रा से रेप

आरोपी पुरुष टॉयलेट में घसीटकर ले गया, फोन छीना; बाद में पूछा- पिल्स की जरूरत है क्या

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के बेंगलुरु स्थित एक प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज के कैंपस में छात्रा से रेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने रेप के आरोप में कॉलेज के ही 21 साल के इंजीनियरिंग स्टूडेंट को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान छठे सेमेस्टर के छात्र जीवन गौड़ा के रूप में हुई है। पीड़ित छात्रा भी उसी कॉलेज में सातवें सेमेस्टर की स्टूडेंट है। घटना 10 अक्टूबर को दोपहर 1:30 बजे से 1:50 बजे के बीच हुई थी। उसने 5 दिन बाद, 15 अक्टूबर को FIR दर्ज कराई थी। पीड़ित ने FIR में बताया कि आरोपी ने कॉलेज के सातवीं मंजिल पर उसे मिलने बुलाया था। जब वह पहुंची, तो आरोपी ने जबरदस्ती चूमने की कोशिश की। छात्रा वहां से चली गई। आरोपी उसका पीछा करते हुए छठी मंजिल तक पहुंच गया। उसे पुरुषों के टॉयलेट में घसीटकर ले जाकर रेप किया। आरोपी ने बाद में छात्रा को फोन किया और पूछा- क्या तुम्हें पिल्स (गर्भनिरोधक दवा) की जरूरत है? पीड़ित बोली- आरोपी क्लासमेट था, एक सेमेस्टर में फेल हुआ पीड़ित छात्रा ने FIR में बताया कि वह आरोपी को पहले से जानती थी।

भीड़ में नहीं भटकेंगे यात्री, नई दिल्ली स्टेशन पर स्थायी होल्डिंग एरिया तैयार; आधुनिक इंतजाम

दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन में यात्रियों की भारी भीड़ देखते हुए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर स्थायी होल्डिंग एरिया तैयार किया गया है। यात्रियों के प्लेटफॉर्म या सड़कों पर फंसने की स्थिति में यह एरिया राहत देगा। करीब सात हजार यात्रियों की क्षमता वाले इस क्षेत्र में बैठने, टिकटिंग, पानी और शौचालय की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस एरिया में टिकट काउंटर भी शिफ्ट कर दिया गया है। रेलवे ने दीपावली और छठ पर्व की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए यह व्यवस्था शुरू की है।

टिकटिंग की अलग व्यवस्था: रेलवे ने पूरे क्षेत्र को तीन जोनों में बांटा है। पहले जोन में 1155, दूसरे में 2842 और तीसरे में 1284 यात्रियों की क्षमता है। यहां 25 टिकट काउंटर, 22 टिकट वेंडिंग मशीनें, 24 अनाउंसमेंट सिस्टम और 18 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। यात्री यहां से अनारक्षित विंडो से टिकट खरीद सकेंगे। महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग लाइन और बैठने की विशेष व्यवस्था की गई है।

यात्री सुविधा केंद्र में आधुनिक इंतजाम: होल्डिंग एरिया के यात्री सुविधा केंद्र में 150 से अधिक शौचालय, प्यूरीफाइड वॉटर की व्यवस्था और 200 यात्रियों के बैठने की क्षमता है। 18 एचवीएलएस पंखे लगाए गए हैं, 18 सीसीटीवी कैमरे और 5 लगेज स्कैनर और 5 डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर भी स्थापित किए गए हैं। स्टेशन परिसर में मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर एक के पास होल्डिंग एरिया बनाया गया है। यहां फुटओवर ब्रिज के पास से पैदल एरिया में जाना होगा।

एआई कैमरे रखेंगे नजर: रेलवे ने भीड़ प्रबंधन के लिए एआई आधारित कैमरों और सेंट्रल पब्लिक एड्रेस सिस्टम का प्रयोग शुरू किया है। एआई कैमरे भीड़ की रीयल टाइम निगरानी करेंगे और सीमा पार होते ही कंट्रोल रूम को अलर्ट भेजेंगे। 35 डिजिटल वॉकी-टॉकी डिवाइस स्टाफ को दिए गए हैं ताकि साइलेंट कोऑर्डिनेशन के जरिए भीड़ को संभाला जा सके। दिल्ली डिवीजन के सभी प्रमुख स्टेशनों पर मिनी-कंट्रोल रूम बनाए गए हैं, जो मुख्य कंट्रोल रूम को लगातार रीयल टाइम डेटा भेजेंगे।

समस्तीपुर और गोरखपुर के लिए श्री गंगानगर से 19 से विशेष ट्रेनें : उत्तर रेलवे ने दीपावली और छठ पर्व पर यूपी और बिहार जाने वाले यात्रियों के लिए श्रीगंगानगर से समस्तीपुर और गोरखपुर के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की है। ट्रेन में वातानुकूलित, स्लीपर और सामान्य श्रेणी के डिब्बे शामिल होंगे। 04731 श्रीगंगानगरङ्कसमस्तीपुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 19, 26 अक्तूबर और दो नवंबर को दोपहर 1:25 बजे श्रीगंगानगर से रवाना होगी। अगले दिन रात 11:00 बजे समस्तीपुर पहुंचेगी। 04732 समस्तीपुरङ्कश्रीगंगानगर स्पेशल 21, 28 अक्तूबर और चार नवंबर को रात 1:00 बजे समस्तीपुर से रवाना होकर अगले दिन दोपहर 12:20 बजे श्रीगंगानगर पहुंचेगी। यह ट्रेन मार्ग में सादुलशहर, हनुमानगढ़, हिसार, रोहतक, दिल्ली जंक्शन, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, बस्ती, गोरखपुर, छपरा, हाजीपुर और मुजफ्फरपुर समेत कई प्रमुख स्टेशनों पर ठहरेगी। 04729 श्रीगंगानगरङ्कगोरखपुर स्पेशल 23 और 30 अक्तूबर को (दो फेरों में) बृहस्पतिवार को चलेगी। यह दोपहर 1:25 बजे श्रीगंगानगर से रवाना होकर अगले दिन शाम 4:30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वापसी में 04730 गोरखपुरङ्कश्रीगंगानगर स्पेशल 24 और 31 अक्तूबर को शुक्रवार को चलेगी, जो रात 7:30 बजे गोरखपुर से रवाना होकर तीसरे दिन सुबह 2:45 बजे श्रीगंगानगर पहुंचेगी।

रेलवे के कई आरक्षण केंद्र सायंकालीन पारी में रहेंगे बंद : उत्तर रेलवे ने दीपावली के अवसर पर दिल्ली में अपने यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) केंद्रों के कामकाज में आंशिक बदलाव किया है। 20 अक्तूबर को दीपावली के दिन कई आरक्षण केंद्रों में केवल सुबह की पारी में काम होगा, जबकि कुछ केंद्र पूरे दिन बंद रहेंगे। रेलवे के अनुसार आईआरसीए भवन, दिल्ली जंक्शन और हजरत निजामुद्दीन आरक्षण कार्यालयों में सायंकालीन पारी में सेवाएं शाम 6 बजे तक उपलब्ध रहेंगी। सायंकालीन पारी में दोपहर 2 से रात 8 बजे तक सरोजिनी नगर, कीर्ति नगर, शकूरबस्ती, दिल्ली शाहदरा, गाजियाबाद, कड़कड़डूमा, ओखला, नोएडा, तुगलकाबाद, सब्जी मंडी, आदर्श नगर, लाजपत नगर, रोहिणी, एम्स और अंतरराष्ट्रीय टूरिस्ट ब्यूरो केंद्र बंद रहेंगे।

आज से 26 तक पार्सल सेवाएं बंद

उत्तर रेलवे ने रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दिल्ली क्षेत्र में पार्सल यातायात पर अस्थायी रोक लगा दी है। नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन और आनंद विहार टर्मिनल से चलने वाली ट्रेनों में 17 से 26 अक्तूबर तक सभी प्रकार के पार्सल लेन-देन पर रोक रहेगी। साथ ही, रेलवे के माध्यम से सीधी पार्सल बुकिंग पर भी 15 से 26 अक्तूबर तक रोक रहेगी। इस अवधि में पार्सल गोदामों और प्लेटफॉर्मों को पार्सल पैकिंग या लेन-देन से मुक्त रखा जाएगा। हालांकि, यात्री डिब्बों में व्यक्तिगत सामान की अनुमति होगी। इसके अलावा सभी आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद पंजीकृत समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की बुकिंग की अनुमति दी जाएगी। यह अस्थायी प्रतिबंध न केवल दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों पर लागू रहेगा बल्कि उन ट्रेनों पर भी लागू होगा जो दिल्ली क्षेत्र से होकर गुजरती हैं और यहां लोडिंग या अनलोडिंग का स्टॉपेज रखती हैं।

क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई, 54 हजार ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड टैबलेट्स बरामद, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में नशे के अवैध कारोबार पर शिकंजा कसते हुए क्राइम ब्रांच की मध्य रेंज टीम ने एक शातिर ड्रग तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 54,000 ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड (Treken-100) टैबलेट्स बरामद की हैं। जिनकी कीमत करीब 32 लाख बताई जा रही है। ये टैबलेट्स नशीले और प्रतिबंधित दवाओं की श्रेणी में आती हैं। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि मदनपुर खादर इलाके में नशीली दवाओं की सप्लाई की जा रही है। सूचना के आधार पर टीम ने मेहक अपार्टमेंट, मादनपुर खादर एक्सटेंशन-I, सरिता विहार के पास जाल बिछाया। शाम करीब 6:30 बजे एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका गया। जिसकी पहचान मादनपुर खादर निवासी मोहम्मद अबिद (50) के रूप में हुई। कानूनी प्रक्रिया के तहत तलाशी लेने पर अबिद के पास से एक बड़े कार्टन बैग में छिपाई गई 54,000 ट्रामाडोल टैबलेट्स बरामद हुई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपित अबिद ने खुलासा किया कि उसका साला मोहम्मद जावेद खान भी इस धंधे में शामिल है और वह ही दवाओं की सप्लाई करता ी की, लेकिन जावेद पुलिस के हाथ नहीं लगा।

नोएडा में प्रदूषण नियंत्रण के लिए टीमें मैदान में, सड़कों पर पानी का छिड़काव और एंटी-स्मॉग गन तैनात

नोएडा ,एजेंसी। प्रदूषण स्तर बढ़ने पर गुरुवार को नोएडा प्राधिकरण की ओर से 14 टीमों को उतारा गया। टीमों ने सेक्टर और गांवों समेत 20 जगह का निरीक्षण किया। टीमों ने लोगों को ग्रेप के नियम और एनजीटी की गाइडलाइन के अनुपालन के बारे में जागरूक किया। इसके साथ ही 20 टैंकर और 10 नग ट्रक माउंटेड एंटी स्मॉग गन के माध्यम से 120 किमी तक पानी का छिड़काव करवाया। शुक्रवार यानी आज भी वायु प्रदूषण से निपटने के लिए नोएडा अधिकारियों द्वारा सड़कों पर पानी का छिड़काव किया जा रहा है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार को जन स्वास्थ्य विभाग की ओर से 14 नग मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों के माध्यम से 340 किमी मुख्य मार्गों पर वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए सफाई कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग की ओर से पांच टैंकरों के माध्यम से पेड़-पौधों की धुलाई का कार्य करवाया जा रहा है। वहीं, विभिन्न निर्माण स्थलों पर 50 नग एंटी स्मॉक गन मशीनों का संचालन किया गया। इन केंद्रों पर सुबह की पारी सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक सामान्य रूप से कार्यरत रहेंगी। संसद भवन, प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, रेलवे बोर्ड, सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट स्थित आरक्षण केंद्र पूरे दिन बंद रहेंगे। यह व्यवस्था अस्थायी रूप से लागू की गई है।

भारत पर कोई हुक्म नहीं चला सकता; तेल मामले में ट्रंप के बयान पर बोले रूस के उपप्रधानमंत्री

मॉस्को, एजेंसी। रूसी तेल की खरीद पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर रूस के उप-प्रधानमंत्री एलेक्जेंडर नोवाक ने कहा मुझे विश्वास है कि हमारे साझेदार हमारे साथ काम करना जारी रखेंगे। हमारे ऊर्जा संसाधनों की मांग है, यह आर्थिक रूप से लाभदायक और व्यावहारिक है।

भारत पर कोई हुक्म नहीं चला सकता : हमारे साझेदार भारत ने लगातार यह घोषणा की है कि कोई उन पर हुक्म नहीं चला सकता और वे अपना रास्ता स्वयं चुनेंगे। यही हमारे रिश्ते की कसौटी है। नोवाक ने यह भी कहा कि भारत ने अब तेल का भुगतान चीन की मुद्रा युआन में करना शुरू कर दिया है हालांकि अब भी ज्यादातर भुगतान रूबल में ही हो रहा है। भारत ने सितंबर में रूस से 25597 करोड़ रुपये का तेल खरीदा है जो चीन के मुकाबले कम है।

दोनों देशों में द्विपक्षीय व्यापार संबंध बेहतर : वहीं, भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा भारत के साथ रूस के ऊर्जा संबंध नई दिल्ली के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप हैं। दोनों देशों में समग्र द्विपक्षीय व्यापार संबंध बेहतर हो रहे हैं। रूसी राजदूत से जब पूछा गया कि क्या ट्रंप की टिप्पणियों के मद्देनजर भारत रूसी कच्चे तेल की खरीद जारी रखेगा, तो उन्होंने कहा, इसका जवाब भारत सरकार को देना है। भारत सरकार अपने देश के राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर इस मामले से निपट रही है। अलीपोव ने यह भी कहा कि भारत के कुल हाइड्रोकार्बन आयात में रूसी कच्चे तेल का योगदान लगभग एक-तिहाई है।

भारत अपने फैसले खुद लेता है- जैमीसन ग्रीर : इससे पहले अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि और राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार सलाहकार जैमीसन ग्रीर ने कहा था कि भारत अपने फैसले खुद लेता और अमेरिका दूसरे देशों को यह निर्देश नहीं दे रहा है कि वे किसके साथ संबंध रखें। न्यूयॉर्क के इकोनॉमिक क्लब द्वारा आयोजित एक बातचीत के दौरान ग्रीर ने कहा था कि भारत ने हमेशा इतना रूसी तेल नहीं खरीदा है। रूस के साथ उनके हमेशा मजबूत संबंध रहे हैं, लेकिन पिछले दो या तीन वर्षों में उन्होंने न केवल उपभोग के लिए, बल्कि रिफाइनिंग और बेचने के लिए भी रूस से कम कीमत पर तेल खरीदना शुरू किया है।

नेपाल में पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व मंत्रियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में कार्रवाई शुरू

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल के तीन पूर्व प्रधानमंत्री तथा दो पूर्व मंत्रियों की आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच शुरू कर दी है। इस जांच के घेरे में पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली, पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउबा एवं पूर्व प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल हैं। इसी तरह पूर्व विदेश मंत्री आरजू देउबा और पूर्व ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का के खिलाफ भी देशभर से साक्ष्य जुटाने का काम शुरू कर दिया गया है। सितंबर 8 और 9 को नेपाल में हुए जेन जी आंदोलन के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री तथा पूर्व मंत्रियों के घर से करोड़ों रुपए नकद मिलने और करोड़ों रुपए के जलाए जाने की घटना के बाद इसकी जांच शुरू कर दी गई है। नेपाल के संपत्ति शुद्धिकरण विभाग ने देशभर के सभी बैंकों, नेपाल स्टॉक एक्सचेंज, उद्योग विभाग, कंपनी रजिस्ट्रार में पत्र लिख कर इन तीन पूर्व प्रधानमंत्री तथा मंत्रियों के व्यक्तिगत, परिवार, और उनके रिश्तेदार के नाम पर रहे किसी भी प्रकार की संपत्ति, बैंक अकाउंट में रहे नकद, फिक्स्ड डिपोजिट, शेयर, कंपनी उनके नाम पर है तो उसका संपूर्ण विवरण एक महीने के भीतर विभाग में जमा करने के लिए कहा है।

गृहमंत्री ओमप्रकाश आर्याल ने कहा कि विभाग के निर्देशन पत्र को देश के सभी 76 जिलों में भेज कर उनके तीन पुश्तों का संपत्ति ब्यौरा देने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि अन्य मंत्रियों और पूर्व प्रधानमंत्रियों को भी जांच के दायरे में लाया जाएगा लेकिन पिछले एक दशक से इन्हीं तीन पूर्व प्रधानमंत्रियों के पर पर रहने के कारण शुरुआत इन्हीं से की गई है।

गृहमंत्री आर्याल ने बताया कि पूर्व मंत्री डा आरजू राणा देउबा, उनके बेटे जयवीर देउबा, उनके भाई भूषण राणा तथा परिवार के अन्य सदस्यों को भी जांच के दायरे में लाया गया है। इसी तरह पूर्व ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का जो आंदोलन के बाद से ही अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं उनके और उनके परिवार वालों के खिलाफ भी जांच शुरू की गई है।

जेलेंस्की के वॉशिंगटन पहुंचने से ठीक पहले फोन पर ट्रंप-पुतिन की लंबी बातचीत, बुडापेस्ट में दूसरी शिखर वार्ता भी तय हो गई

वॉशिंगटन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की वॉशिंगटन पहुंच गए हैं। यूक्रेन को लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइलों की संभावित आपूर्ति के बारे में आज अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी अहम बातचीत होगी।खास बात यह है कि जेलेंस्की के अमेरिका पहुंचने से कुछ पहले ही ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ फोन पर ढाई घंटे की लंबी बातचीत के बाद अगले दो सप्ताह में बुडापेस्ट में दोनों नेताओं के बीच दूसरी शिखर वार्ता की घोषणा हुई।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप से अहम बातचीत के लिए अमेरिका पहुंचे हैं।यूक्रेन के समाचार पत्र कीव पोस्ट के मुताबिक यूक्रेन को लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइलों की आपूर्ति को लेकर बातचीत के लिए राष्ट्रपति जेलेंस्की वॉशिंगटन पहुंच चुके हैं। इस संबंध में आज ट्रंप से उनकी बातचीत होगी।

यूक्रेन कुछ समय से अमेरिका से टॉमहॉक लंबी दूरी की मिसाइलें मांग रहा है, जिससे के प्रमुख शहर यूक्रेन के मिसाइल फायर रेंज में आ जाएंगे। ट्रंप ने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए कहा था कि यदि रूस युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत की मेज पर नहीं आता है तो यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें सप्लाई कर सकते हैं। अमेरिका ने अभीतक यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलों की सप्लाई को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलों की आपूर्ति को लेकर कोई अंतिम फैसला लेने से पहले अमेरिका की सतर्कता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है।

कतर करेगा पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच मध्यस्थता

लाहौर,एजेंसी। पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच आपसी सीमा विवाद सुलझाने के लिए कतर की मध्यस्थता में शुक्रवार को दोहा में दोनों पक्ष एक बैठक में भाग लेंगे। मीडिया खबरों के अनुसार, अफगान तालिबान के सोशल मीडिया अकाउंट पर जारी विवरण में कहा गया है कि रक्षा मंत्री मुल्ला मोहम्मद याकूब मुजाहिद के नेतृत्व में अफ़ग़ानिस्तान के इस्लामिक अमीरात का एक प्रतिनिधिमंडल और कई प्रमुख पाकिस्तानी सुरक्षा एवं खुफ़िया अधिकारी आज दोहा में बातचीत करेंगे। अभी तक, पाकिस्तान ने बातचीत के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है। इससे पहले, पाकिस्तान के सरकारी मीडिया ने पुष्टि की थी कि सीमा पर हाल के तनाव को सुलझाने के लिए पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच बातचीत संभावित है। हालाँकि, उन्होंने बातचीत के समय या स्थान के बारे में कोई विवरण नहीं दिया। अफ़ग़ान मीडिया आउटलेट, टोलो न्यूज़ ने सूत्रों के हवाले से इस खबर की पुष्टि की कि दोनो पक्षो के बीच बातचीत के दोहा में होने की उम्मीद है। इस बीच, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कैबिनेट की बैठक के दौरान कहा कि कतर ने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता की पेशकश की है और इस मुद्दे को सुलझाने के लिए वह दोनों पक्षों के साथ बातचीत करने को तैयार है।

ताकि परीक्षा रद्द हो जाए और स्कूल की छुट्टी हो, छात्र ने भेजा बम की धमकी का ईमेल

नई दिल्ली,एजेंसी। बाहरी दिल्ली के एक निजी स्कूल को भेजा गया बम की धमकी वाला ई-मेल फर्जी निकला और पुलिस ने पता लगा लिया है कि भेजने वाला एक छात्र है जो परीक्षा से बचना चाहता था। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पश्चिम विहार ईस्ट थाना पुलिस के अनुसार, गुरुवार को विशाल भारती पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल ने थाने में सूचना दी कि स्कूल को एक ईमेल मिला है जिसमें परिसर में बम लगाए जाने की धमकी दी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस की कई टीमें मौके पर पहुंचीं और मानक बम धमकी प्रोटोकॉल के तहत कार्रवाई शुरू की। स्कूल भवन को तुरंत खाली कराया गया और बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वॉड और फायर ब्रिगेड की टीमों को तलाशी के लिए बुलाया गया। कड़ी जांच के बाद जब कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, तो पुलिस ने इस धमकी को फर्जी घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर साइबर सेल की मदद से ईमेल भेजने वाले की तलाश शुरू की। जांच में ईमेल का स्रोत एक किशोर छात्र तक पहुंचा। पूछताछ में उसने कबूल किया कि उसने यह धमकी भरा मेल इसलिए भेजा था ताकि परीक्षा रद्द हो जाए और स्कूल में छुट्टी घोषित हो जाए। पुलिस ने किशोर को पकड़ लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

यूको बैंक का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 2.82 फीसदी बढ़कर 620 करोड़ रुपये

यूको बैंक
UCO BANK

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 सितंबर को समाप्त जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 2.82 फीसदी बढ़कर 620 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में यूको बैंक को 603 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। यूको बैंक ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि 30 सितंबर को समाप्त चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में बैंक का कुल कारोबार 5.36 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में 13.23 फीसदी अधिक है। बैंक ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान सकल अग्रिम 16.56 फीसदी बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि कुल जमा 10.85 फीसदी बढ़कर 3.06 लाख करोड़ रुपये रहा। यूको बैंक ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) 0.62 फीसदी घटकर 2.56 फीसदी रही। यूको बैंक देश का एक प्रमुख बैंक है। इसका मुख्यालय कोलकाता में स्थित है।

वसंत कुंज इलाके में दर्दनाक हादसा, तेज रफ्तार थार गाड़ी ने बच्चे को मारी टक्कर, मासूम की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में बुधवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां तेज रफ्तार थार गाड़ी ने एक बच्चे को टक्कर मार दी। हादसे में बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आरोपी चालक वाहन सहित फरार हो गया। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 15 अक्टूबर की शाम वसंत कुंज नॉर्थ थाना क्षेत्र में इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप, सी-8 वसंत कुंज के पास एक ब्लैक थार गाड़ी ने बच्चे को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना वसंत कुंज नॉर्थ की पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां सड़क पर खून के निशान और क्षतिग्रस्त साइकिल मिली। घायल बच्चे को पीसीआर वैन की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की उम्र करीब 13 वर्ष बताई जा रही है और वह सेक्टर-6, आर.के. पुरम, दिल्ली का निवासी था। पुलिस ने मौके पर क्राइम टीम को बुलाकर घटनास्थल की जांच कराई और साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस के अनुसार, थार का चालक हादसे के बाद वाहन के साथ मौके से फरार हो गया। इस संबंध में थाना वसंत कुंज नॉर्थ में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने फरार आरोपी की तलाश के लिए टीमें गठित कर दी हैं और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

शास्त्री पार्क इलाके में एक युवक की हुई मौत, दूसरा घायल ; आधी रात में दो घटनाओं से मचा हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में बीती रात दो अलग-अलग घटनाओं में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है और घटनास्थलों से सबूत जुटा रही है। जानकारी के मुताबिक, पहला मामला शास्त्री पार्क चौक स्थित एबीसीडी ब्लॉक के पास का है, जहां 16ङ्क17 अक्टूबर की दरमियानी रात करीब आधी रात को पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति सर्विस रोड पर बेहोश पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को जेपीसी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान उमाम उर्फ उभाम (25 वर्ष), पुत्र मोहम्मद मियां, निवासी कैलाश नगर, दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस ने घटनास्थल से फोरेंसिक साक्ष्य एकत्र किए हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

दूसरी घटना उसी रात फल मंडी क्षेत्र के पास हुई, जहां एक युवक घायल हालत में पड़ा मिला। घायल को भी जेपीसी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे आगे के इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायल की पहचान नदीम (27 वर्ष), पुत्र नसीम, निवासी कैलाश नगर, दिल्ली के रूप में हुई है। जिसे जेपीसी अस्पताल ले जाया गया और बाद में आगे के इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया। इन दोनों मामलों में शास्त्री पार्क थाने में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, फोरेंसिक टीमों को लगाया गया है और आरोपियों की तलाश में कई टीमें गठित की गई हैं।

साउथ एशियन यूनिवर्सिटी ने यौन उत्पीड़न मामले में वार्डन को पद से हटाया, सहायक निलंबित

दिल्ली,एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली स्थित साउथ एशियन यूनिवर्सिटी मामले की गंभीरता को देखते हुए यूनिवर्सिटी प्रशासन ने गर्ल्स हॉस्टल की वार्डन डॉ. रिंकू देवी गुप्ता को उनकी जिम्मेदारी से तत्काल प्रभाव से हटा दिया है।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने किया जिला चिकित्सालय सीधी का निरीक्षण

चिकित्सक समय का पालन करें, मरीजों से करें संवेदनशील व्यवहार : उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने शुक्रवार को जिला चिकित्सालय सीधी का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं अस्पताल की व्यवस्थाओं का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से संवाद कर उपचार सेवाओं को और बेहतर बनाने के संबंध में निर्देश दिए। इस दौरान सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक रीती पाठक एवं देवकुमार सिंह चौहान सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने जिले की स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने हेतु अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि समाज में चिकित्सकों को भगवान का दर्जा प्राप्त है, इसलिए मरीजों के प्रति उनका व्यवहार भी संवेदनशीलता एवं सेवा भाव से परिपूर्ण होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी डॉक्टर एवं स्टाफ समय का पालन करते हुए मरीजों को समर्पित भाव से उपचार प्रदान करें। इमरजेंसी कक्ष में निर्धारित ड्यूटी के अनुसार डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की सतत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।

शुक्ल ने गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि समय पर पंजीयन एवं नियमित जांचें अनिवार्य रूप से की जाएं, जिससे हाई रिस्क गर्भवती माताओं की पहचान समय रहते हो सके। प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीख को आयोजित जांच शिविरों में महिला विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा समुचित परीक्षण सुनिश्चित किया जाए।

उप मुख्यमंत्री ने अस्पताल परिसर में स्वच्छता व्यवस्था, साफ-सफाई तथा आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टाफकी कमी शीघ्र पूरी की जाएगी। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का प्रत्येक नागरिक समय पर गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करे। उन्होंने बताया कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए सरकार निरंतर ठोस कदम उठा रही है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सीधी जिला चिकित्सालय में 100 बिस्तरीय एमसीएच विंग प्रारंभ होने से अस्पताल की क्षमता 300 से बढ़कर 400 बिस्तरों तक हो गई है, जिसके लिए पर्याप्त मानव संसाधनों की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि 16 करोड़ रुपये की लागत से क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है, वहीं आईपीएचएल लैब का निर्माण फरवरी 2026 तक पूर्ण होने की संभावना है, जिससे जिलेवासियों को 136 प्रकार की जांचों की सुविधा एक ही स्थान पर प्राप्त होगी। उन्होंने जिले में आउटसोर्स भर्ती प्रक्रिया की जटिलताओं को दूर कर इसे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

शुक्ल ने जिला चिकित्सालय में अधोसंरचना और उपकरणों हेतु विधायक सीधी पाठक की अनुशंसा पर तथा अन्य मदो से राज्य शासन से प्राप्त राशि के उपयोग की पारदर्शी जांच के लिए समिति गठित करने के निर्देश दिए। अस्पताल प्रबंधन में पाई गई कमियों पर असंतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने आवश्यक सुधार तत्काल करने के निर्देश दिए।

जवा में छापामार कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में अवैध मदिरा जब्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आबकारी टीम ने वृत्त चाकघाट अंतर्गत जवा तहसील के कई गांवों में 16 अक्टूबर 2025 को अवैध मदिरा के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की। इस दौरान ग्राम मदरो में शराब माफिया शिवनाथ सिंह गुड्डू के रिहायशी मकान से 19 केन पावर कूल बियर, 17 पाव जीनियस व्हिस्की और 14 पाव देशी प्लेन मदिरा जब्त की गई।

इसके अलावा, ग्राम जवा बस्ती में अरुणा देवी मांझी के मकान से 400 किलोग्राम महुआ लाहन, गोपाल मांझी के मकान से 180 किलोग्राम महुआ लाहन, रमेश मांझी के मकान से 2 लीटर हाथ भट्टी मदिरा, ग्राम डिहिया कला में इंद्रभान बर्मा के मकान से 120 किलोग्राम महुआ लाहन और 40 लीटर हाथ भट्टी मदिरा, रघुराई प्रसाद बर्मा के मकान से 10 लीटर हाथ भट्टी मदिरा, उर्मिला बर्मा के मकान से 180 किलोग्राम महुआ लाहन और 15 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जब्त की गई। ग्राम गढ़वा में अंजुल सिंह के मकान से 10 लीटर हाथ भट्टी मदिरा और गोलकी देवी बर्मा के मकान से 4 लीटर हाथ भट्टी मदिरा भी बरामद की गई। ग्राम गाढ़ा 138 में राजाराम मांझी के मकान से 140 किलोग्राम महुआ लाहन और ग्राम बंदरकोल में वर्षा देवी चर्मकार के मकान से 2 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जब्त की गई।

इस कार्यवाही में कुल 11 प्रकरणों में 68 लीटर हाथ भट्टी मदिरा, 1020 किलोग्राम महुआ लाहन, 19 केन पावर कूल बियर, 17 जीनियस व्हिस्की और 14 पाव देशी प्लेन मदिरा बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 1,18,110 रुपये है। सहायक आबकारी आयुक्त रीवा ने बताया कि अवैध मदिरा के परिवहन, निर्माण और विक्रय के खिलाफ यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। इस कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी अजय श्रीवास्तव और अन्य अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

युवा संगम - रोजगार, स्व-रोजगार एवं अप्रेंटिशिप मेला सम्पन्न कृ 150 आवेदकों का हुआ प्राथमिक चयन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश शासन की जॉब फेयर एवं करियर काउंसलिंग योजनान्तर्गत जिला रोजगार कार्यालय सीधी एवं शासकीय आईटीआई सीधी के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को युवा संगम रोजगार, स्व-रोजगार एवं अप्रेंटिशिप मेला का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कुल 232 आवेदक एवं आवेदिकाओं ने पंजीयन कराया, जिनमें से 06 कंपनियों ने भाग लेकर 150 आवेदकों का प्राथमिक चयन किया। इस अवसर पर जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, ग्रामीण आजीविका मिशन सीधी एवं अन्य स्वरोजगार संचालित विभागों ने अपने स्टॉल लगाकर युवाओं को स्वरोजगार के अवसरों और योजनाओं के बारे में मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रदान किया।

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि इस प्रकार के मेले युवाओं को रोजगार एवं आत्मनिर्भरता के अवसर प्रदान करने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। जिले में ऐसे आयोजनों का उद्देश्य युवाओं को निजी क्षेत्र, औद्योगिक संस्थानों एवं शासन की स्वरोजगार योजनाओं से जोड़ना है, जिससे वे आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें।

शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

विकसित भारत विजन-2047, संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर विचार विमर्श

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में दिनांक 15 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय वेबीनार ''विकसित भारत विजन-2047, संभावनाएं और चुनौतियां'' थीम पर आयोजित किया गया। वेबीनार में मुख्य वक्ताओं के रूप में डॉ. मुनेश कुमार सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञान चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ (उत्तर प्रदेश) और डॉ. अतुल कुमार वर्मा सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञान शासकीय नवीन महाविद्यालय जनकपुर (छत्तीसगढ़) उपस्थित रहे।

प्रथम मुख्य वक्ता डॉ. मुनेश कुमार ने कहा कि दुनिया के प्रत्येक देश अविकसित से विकसित, विकासशील से विकसित और अल्पविकसित से पूर्ण विकसित बनने की दौड़ में हैं। हमारे देश के सामने कई चुनौतियां हैं, जिनमें जाति, धर्म, सामाजिक ऊँच-नीच, शिक्षित-अशिक्षित सभी का सम्मिलित योगदान विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण है।

डॉ. अतुल कुमार वर्मा ने बताया कि भारत प्राचीन सनातन परंपरा का हिमायती रहा है। उन्होंने आयुष मंत्रालय द्वारा पारंपरिक आयुर्वेदिक दवाओं के पुनः उपयोग पर जोर दिए जाने का उल्लेख किया। उन्होंने कृषि में अत्यधिक रासायनिक कीटनाशकों (पेस्टिसाइड) के दुष्परिणामों का हवाला देते हुए जैविक खेती पर निर्भरता को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि लोकल फॉर लोकल, मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी पहल को मूर्त रूप दिया जा रहा है।

इस अवसर पर डॉ. आर. एन. पटेल सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञान प्रधानमंत्री कालेज आफएक्सीलेंस मऊगंज ने भी विकसित भारत के संबंध में अपने विचार साझा किए। इसके अतिरिक्त शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

राष्ट्रीय वेबीनार डॉ. आर. पी. सिंह अतिरिक्त संचालक रीवा संभाग, डॉ. पी. के. सिंह प्राचार्य अग्रणी महाविद्यालय सीधी और प्रो. ओ. पी. नामदेव प्राचार्य शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी के मुख्य संरक्षण में आयोजित किया गया।

खनिज विभाग के साथ पुलिस की मौन सहमति से जिले में हो रहा अवैध उत्थान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के अतरैला थाना क्षेत्र में इस समय खनिज माफियाओं और परिवहन माफियाओं का बोलबाला है। इन माफियाओं द्वारा बिना रॉयल्टी के खुलेआम अतरैला थाना प्रभारी के सह पर जोन्हा, गोहटा, बरौहा और कोनी टमस नदी घाट में अवैध बालू निकाला और परिवहन किया जा रहा है। इसके अलावा, खनिज माफियाओं द्वारा पहाड़ों से पत्थर और गिट्टी का परिवहन भी किया जा रहा है, लेकिन किसी भी प्रकार की रॉयल्टी का भुगतान नहीं किया जा रहा है। इसके बावजूद, धड़ल्ले से परिवहन जारी है और प्रशासन द्वारा कोई रोक-टोक नहीं की जा रही है।

सवाल यह है कि यह सब किसके संरक्षण में हो रहा है। दिन-रात अवैध बालू और गिट्टी का परिवहन अतरैला थाने के सामने से हो रहा है, फिर भी प्रशासन अवैध उत्खनन और परिवहन पर रोक नहीं लगा पा रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सभी टमस नदी घाटों पर ट्रैक्टर और हाइवा वालों का थानों से मंथली बंधा होता है। इसके लिए एक थाना प्रभारी का हमराह होता है, जो सभी अवैध परिवहन और उत्खनन करने वालों से वसूली करता है। यदि कोई ट्रैक्टर या हाइवा वाला एक-दो दिन चढ़ौती देने में देरी कर दे, तो उनका वाहन थाने में खड़ा कर दिया जाता है। तराई क्षेत्र के प्रत्येक थाने में यह खेल चल रहा है। जिला कलेक्टर और रीवा एसपी को इस मामले की जानकारी कई बार दी जा चुकी है, लेकिन कोई जांच या कार्रवाई नहीं हुई है। इसी वजह से थाना प्रभारियों और खनिज माफियाओं के हौसले बुलंद हैं।

सीधी के खजुरी में अवैध शराब बिक्री, पुलिस पर मिलीभगत, भाजपा नेताओं पर संरक्षण के आरोप

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम खजुरी में अवैध देसी शराब की खुलेआम बिक्री का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में मॉडल स्कूल के पास एक कच्चे मकान में शराब बेची जाती और कुछ लोगों को मौके पर बैठकर शराब पीते हुआ भी दिखा। ग्रामीणों ने इस अवैध धंधे में पुलिस की मिलीभगत और भाजपा नेताओं के संरक्षण का आरोप लगाया है। यह अवैध कारोबार ग्राम खजुरी में मॉडल स्कूल के पास स्थित मकान में लंबे समय से चल रहा है। वीडियो शुक्रवार सुबह सामने आया, जिसमें स्पष्ट दिख रहा है कि कोई भी व्यक्ति वहां पहुंचकर बोतलों की मांग करता है और उसे तुरंत शराब की बोतलें दे दी जाती हैं।

शिकायत के बाद भी पुलिस ने नहीं मारा छापा: ग्रामीणों के अनुसार, यह शराब जग्यपाल नामक व्यक्ति की दुकान में बेची जा रही है। बताया गया है कि शराब ठेकेदार की ओर से बोतलें 180 रुपए में पहुंचाई जाती हैं, जिन्हें जग्यपाल जैसे छोटे दुकानदार 200 रुपए में अवैध रूप से बेचते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह नेटवर्क वर्षों से सक्रिय है। ग्रामीणों ने कई बार इस संबंध में शिकायतें की हैं, लेकिन कोतवाली पुलिस ने न तो कोई छापा मारा और न ही किसी आरोपी पर मामला दर्ज किया। इस कारण ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और वे इसे पुलिस प्रशासन की मिलीभगत मान रहे हैं।

इस पूरे मामले पर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं पर संरक्षण देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के विधायक, सांसद और मंत्री यहीं से जीतकर गए हैं, इसलिए पुलिस और प्रशासन उन्हीं के इशारे पर काम कर रहे हैं। जिला अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं होती है, तो यह स्पष्ट होगा कि ये धंधे नेताओं के संरक्षण में चल रहे हैं। वहीं, जब सीधी कोतवाली थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल से इस संबंध में बात की गई, तो उन्होंने बताया कि उन्हें इस अवैध शराब बिक्री की जानकारी अभी नहीं थी।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी में लव जिहाद के प्रति जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के आदेश और अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा रीवा-शहडोल संभाग रीवा के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़एक्सीलेंस सीधी में प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह की अध्यक्षता में लव जिहाद के विरुद्ध जन जागरण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती मां की वंदना और पूजा अर्चन से किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में संयोजक डॉ. विनोद साकेत ने छात्राओं को लव जिहाद के प्रति सतर्क रहने और इस प्रकार की घटनाओं से अपने आप को सुरक्षित रखने की सलाह दी। इसके बाद डॉ. दिलीप सोनी ने छात्राओं को विवाह के प्रकार, स्वरूप और सामाजिक दृष्टि से आवश्यक जानकारी देते हुए जागरूक किया। डॉ. गंगा देवी बैरागी ने माता-पिता से झूठ न बोलने और बाहरी लोगों द्वारा उत्पन्न विभिन्न प्रलोभनों से सतर्क रहने की सलाह दी। कार्यक्रम में डॉ. विभा कुशवाहा ने छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने माता-पिता की आज्ञा अनुसार कार्य करने हेतु प्रेरित किया। इसके बाद प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने छात्राओं को मर्यादित, संयमित और अनुशासित रहने, अराजक तत्वों से सतर्क रहने और सामाजिक सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया।

अंत में डॉ. रितु साहू ने प्राचार्य, समिति सदस्यों और छात्राओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह, डॉ. विनोद साकेत, डॉ. दिलीप सोनी, डॉ. गंगा देवी बैरागी, डॉ. अंकिता सोनी, डॉ. विभा कुशवाहा, डॉ. रितु साहू सहित महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रही।

पंचायतों एवं नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची पुनरीक्षण का संशोधित कार्यक्रम जारी

सीधी। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायतों तथा नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची वार्षिक पुनरीक्षण 2025 की तैयारी हेतु प्रक्रिया और संशोधित समय सारणी जारी की है। आयोग द्वारा संशोधित कार्यक्रम अनुसार दावा-आपत्ति केन्द्र पर दावे एवं आपत्तियां अब 24 अक्टूबर तक प्राप्त की जाएंगी।

रेत के अवैध परिवहन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, रातभर चला संयुक्त अभियान, एक हाईवा वाहन जप्त

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देश पर खनिज एवं राजस्व विभाग की टीम की कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देश तथा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मझौली आर.पी. त्रिपाठी और जिला खनिज अधिकारी कपिल मुनि शुक्ला के कुशल मार्गदर्शन में गुरुवार की रात्रि में खनिज एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन के विरुद्ध सघन अभियान चलाया गया।

संयुक्त दल ने रात 12 बजे से सुबह 8 बजे तक कुसमी, मझौली और गोपदबनास क्षेत्र के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान एक बिना नंबर का हाईवा वाहन (चेसिस क्रमांक एमएटी 466461के3जी19911 एवं इंजन क्रमांक आईएसबी 59बी4एस180के191जी63801 832 अवैध रेत परिवहन में संलिप्त पाया गया। वाहन को मौके पर ही जप्त कर थाना जमोड़ी में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया। वाहन स्वामी के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया जा रहा है, जिसे कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

जिला खनिज अधिकारी कपिल मुनि शुक्ला ने बताया कि जिले में रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन पर सतत निगरानी रखी जा रही है। कलेक्टर के निर्देशानुसार ऐसे कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों एवं वाहनों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि संयुक्त दल की छापामार कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी, ताकि जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। इस कार्रवाई में नगर सैनिक शिवशंकर सिंह, नंदीलाल रावत, तेजबहादुर सिंह, अनिल पाठक, अवनीश शुक्ला, वाहन चालक अश्विनी तिवारी एवं रामपाल केवट का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 4015/स्टोर/2025 रीवा, दिनांक - 15/10/25

निविदा आमंत्रण सूचना वर्ष 2025-26

प्राचार्य शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा द्वारा स्वच्छता सामग्री के आपूर्ति हेतु (द्वितीय अवसर)। एल्युमीनियमसेक्शन, दरवाजा, खिड़की, लोहे की जाली सामग्री के आपूर्ति एवं रख-रखाव का कार्य (द्वितीय अवसर)। प्लम्बरिंग मटेरियल रिपेयरिंग एवं सम्बंधित सामग्री के सम्बन्धित सामग्री के आपूर्ति एवं रख-रखाव का कार्य (द्वितीय अवसर)। वाटर कूलर वाटर आर.ओ. प्लांट एवं आर.ओ 10 ली, 25 ली, 50 ली. क्षमता वाले से सम्बंधित सामग्री के क्रय एवं रिपेयरिंग का कार्य (द्वितीय अवसर)। महाविद्यालय की पुरानी / रद्दी उत्तर पुस्तिका एवं न्यूज पेपर के विक्रय हेतु (द्वितीय अवसर)। पुस्तकालय (पुस्तक क्रय) से सम्बंधित सामग्री (तृतीय अवसर)। महाविद्यालय में टेंट सम्बंधित कार्य (तृतीय अवसर)। फ्लैक्स / बैनर / विनायल / पोस्टर /प्रपत्र एवं मीडिया / प्रचार संबंधी कार्य एवं नोटिस बोर्ड / दीवारों पर पेंट द्वारा लिखावट का कार्य, अलग-अलग आकर में (तृतीय अवसर) संगीत विभाग से सम्बंधित वाद्य यंत्र क्रय एवं सुधार का कार्य (तृतीय अवसर)। महाविद्यालय में आयोजित होने वाले विभित्र कार्यक्रमों में फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी का कार्य (तृतीय अवसर)। टैक्सी / इनोवा / इनोवा समकक्ष गाड़ी एवं बस किराये से लेने का कार्य (तृतीय अवसर)। विभिन्न प्रपत्रों का मुद्रण का कार्य एवं स्थानान्तरण प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र मुद्रण का कार्य, शोध पत्रिका, महाविद्यालय वार्षिक पत्रिका, अर्चना एवं न्यूज बुलेटिन का प्रकाशन, अंक सूची, कार्ड शीट प्रमाणपत्र कलर व सफेद A4 साइज़, छात्र उपस्थित रजिस्टर/ डायरी (प्रथम अवसर) हेतु निविदा दिनांक 06.11.2025 शाम 04.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदाकार निविदा की विस्तृत शर्तें निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी स्टोर शाखा एवं महाविद्यालय की वेबसाइट www.trscollege.com से प्राप्त कर सकते है।

प्राचार्य
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा (म.प्र.)

महंगाई की कितनी आपूर्ति

संपादकीय

सरकारी कर्मचारियों का भुगतान फिर दिवाली की किस्त में दर्ज हुआ, तो हिमाचल सरकार ने महंगाई की आपूर्ति में तीन कदम बढ़ा दिए। सत्तर लाख की आबादी में 3.62 लाख कर्मचारी और पेंशनरों के चूल्हे पर तीन प्रतिशत डीए की किस्त राज्य के आर्थिक दबाव बढ़ाने के बावजूद कितना संतुष्ट कर पाएगी, यह कहा नहीं जा सकता। कर्मचारी अपेक्षाओं का समुद्र इतना गहरा है कि सरकार की किश्तियां कभी भी साहिल पर नहीं पहुंच पातीं, इसलिए तीन प्रतिशत महंगाई के वित्तीय मुनाफे खुदगर्ज ही रहेंगे। ये मनौतियां हैं या मन्नतें जो सरकार की ओर से निभाई जाती हैं। डीए की किस्तें अब हक हकूक की पैरवी में सरकारों के वित्तीय खातों को कमजोर करके भी एक दस्तूर नहीं बनती, इसलिए यह कोई मापक यंत्र नहीं, बस सत्ता से एक हिसाब किताब है। यही परिदृश्य एचआरटीसी पेंशनरों की हड़ताल को कर्कश बना रहा है। वहां किसका पलड़ा भारी, किस पर दुश्वारी, फैसला होने से पहले, एक असंतोष जहरीला होने लगा है। दो महीने से पेंशन का चिट्ठा एचआरटीसी पेंशनरों को सड़क पर पहुंचा गया, तो यह प्रदेश का आर्थिक प्रबंधन है या हमने जरूरत से ज्यादा ओढ़ ली चादर। ऐसे कई सरकारी उपक्रम हैं जो अपने उद्देश्यों का अमृत पीकर अब जहर उगल रहे हैं। ढांचा इतना कमजोर है कि सरकार को उधार लेकर खिलाना पड़ रहा है। कब तक एचआरटीसी के प्रदर्शन में सार्वजनिक धन को जलाना पड़ेगा। आश्चर्य के बोध में सरकारी नवाले हर जगह तकलीफदेह हैं। ओपीएस का नवाला प्रदेश के आर्थिक संसाधनों की जान लेगा या यह प्रदेश जी जान लड़ा कर किसी तरह कर्मचारी ब्रिगेड के आशियानों, अफसानों, एहसानों और फरमानों की जुंबिश में एक मजबूर साहस करते हुए उधार में पगार की कतार को संतुष्ट करता रहेगा। यह इसलिए कि बिजली बोर्ड कर्मचारी ओपीएस बहाली की सतह पर गर्म मिजाज रखते हैं। यह स्वाभाविक आक्रोश हो सकता है क्योंकि कर्मचारी तो कर्मचारी है, चाहे एक डाल पर बैठे या दूसरी पर। गुनाह तो राजनीतिक होते हैं जो कब्र पर महल बनाकर पुण्य कमाना चाहते हैं। हैं कब्रें बहुत और हर विभाग में बहुत हैं। एचआरटीसी के ड्राइवर-कंडक्टर तो बूढ़ी, उम्रदराज और कंडम हो चुकी बसों को भी चलाने की जुर्रत करते हैं, लेकिन नित नए डिपो खोल कर सियासत ने कर्म की कब्रगाह खोद डालीं। यही हाल अन्य विभागों का है, सरकारी खर्चों का है, राजनीतिक नियुक्तियों का है, सरकारी कामकाज की गुणवत्ता का है और उस परिपाटी का भी है जो जनता को निराश करके सदा विद्यमान रहती है। प्रदेश की सारी मोहलतें, आर्थिक कुर्बानियां और वित्तीय निशानियां अगर बजट में खोजनी हों, तो सरकारी कर्मचारी की पगार, पेंशन और वित्तीय अधिकारों की फेहरिस्त तलवार बन जाती है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संकट के काले बादल, वर्ष के अंत तक बड़ा झटका संभव

सनत जैन

विश्व अर्थव्यवस्था आज एक गंभीर संकट की तरफ बढ़ती जा रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुद्रास्फीति, बढ़ता हुआ कर्ज और राजनीतिक तनाव आर्थिक गतिविधियों पर भारी असर डाल रहे हैं। अमेरिका, जिसे 1944 के बाद से सबसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्था माना जाता रहा, अब कर्ज के बोझ तले दब गया है। अमेरिका का कर्ज उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से 124 प्रतिशत अधिक हो गया है और देश अपने खर्चों को चलाने के लिए पुराने बॉन्ड बेचने पर निर्भर हो गया है। वहीं, अमेरिका में लॉकडाउन और लाखों लोगों की बेरोज़गारी ने डॉलर की वैश्विक पकड़ को भी कमजोर कर दिया है। कुछ वर्षों पहले तक वैश्विक कारोबार का लगभग 75 प्रतिशत डॉलर में होता था, जो अब घटकर करीब 56 प्रतिशत रह गया है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे है, यह आंकड़ा जल्द ही 50 प्रतिशत से नीचे जा सकता है, जिससे डॉलर मुद्रा को सबसे बड़ा संकट झेलना पड़ेगा।

वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच सोने और चांदी की मांग लगातार बढ़ रही है। जब भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता दिखाई देती है, तो निवेशक सुरक्षित विकल्प की तलाश में सोने की ओर रुख करते हैं। 2008 की अमेरिकी मंदी के बाद से दुनिया के फेडरल बैंकों ने बड़े पैमाने पर सोना खरीदा और अपने खजाने में रखा। उस समय अमेरिका के पास लगभग 20,000 टन सोना था, जो अब घटकर मात्र 8,200 टन रह गया है। वहीं, चीन और भारत जैसे देशों में सोने का भंडार पिछले 15 वर्षों में लगातार बढ़ा है। बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी अर्थव्यवस्था में निवेश के नए विकल्प बनते जा रहे हैं। बिटकॉइन की कीमत पिछले एक साल में लगभग दोगुनी होकर 52 लाख रुपए से 1.1 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है, लेकिन क्रिप्टो अभी भी सबसे जोखिम भरी मुद्रा मानी जाती है। एथेरियम, सोलाना, डोजकॉइन जैसी अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी बाजार में सक्रिय हैं और वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाने का कारक बन सकती हैं।

विश्वविख्यात लेखक और आर्थिक विशेषज्ञ रॉबर्ट कियोसाकी, जिन्होंने 'रिच डैड पुअर डैड' जैसी चर्चित किताबें लिखी हैं, का मानना है कि बैंकों में पैसा रखना सुरक्षित विकल्प नहीं है। उनका कहना है कि 2026 के अंत तक कर्ज और मुद्रास्फीति के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर संकट आना तय माना जा सकता है। ऐसे समय में निवेशकों को अपनी पूंजी का संरक्षण करना चाहिए। कियोसाकी के अनुसार, नगदी को छोड़कर निवेश सोने, चांदी, म्युचुअल फंड और शेयर बाजार जैसे विकल्पों में किया जाना चाहिए, जहां अल्पकालिक उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हो।

पिछले 30 वर्षों में वैश्विक कर्ज की गंगा लगातार तेजी के साथ बढ़ती रही है। विश्व के सभी देशों की सरकारें, राज्य सरकारें, स्थानीय संस्थाएँ और यहां तक कि 80-90 फीसदी परिवार भी कर्ज में डूब चुके हैं। आमदनी के मुकाबले खर्च लगातार बढ़ रहा है। अमेरिका जैसे विकसित देशों का कर्ज बेहिसाब बढ़ रहा है। अमेरिका ने ईराक से लेकर अभी तक सैकड़ों प्रतिबंध लगाकर डालर से कारोबार रोकन और डालर जप्त करने का जो खेल खेला है, उससे डालर की विश्वसनीयता अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर समाप्त होने से डॉलर का प्रभुत्व लगातार घट रहा है। इसके कारण ब्रिक्स देशों की मुद्रा, यूरो, चीन का युआन और अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्रा विकल्पों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। इस परिदृश्य में सोना और चांदी न केवल सुरक्षित निवेश बल्कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा और वैश्विक कारोबार में स्वीकार्य विकल्प के रूप में उभर रहे हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं, भविष्य में सोना वैश्विक मुद्रा के रूप में प्रमुख भूमिका निभा सकता है। वर्तमान आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता को देखते हुए निवेशकों और आम नागरिकों के लिए यह जरूरी है। वह अपने धन को सुरक्षित क्षेत्रों में निवेश करें। विविध क्षेत्रों में सोच-समझकर निवेश करने से न केवल आर्थिक संकट के समय नुकसान कम होगा, बल्कि संपत्ति की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। वर्तमान आर्थिक संकेतों के आधार पर कहा जा सकता है। इस वर्ष के अंत तक वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बड़ा प्रभाव पड़ सकता है।

दो दशक बाद बिहार में सत्ता समीकरणों की नई पटकथा छोटे दलों के सामने बड़े खिलाड़ी नतमस्तक,नीतीश की पकड़ ढीली,बीजेपी की चालें गहरी बिहार का यह पहला चुनाव होगा,जब लगातार बीस वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद भी बीजेपी और जेडीयू – दोनों ही अपने अब तक के सबसे कम सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही हैं।आप को बता दे कि सन 2003 में जदयू की स्थापना के बाद पार्टी ने 2005 में 138 सीटों पर,2010 में 141 सीटों पर,2015 में 101सीटों पर(राजद के साथ गठबंधन में),और 2020 में 115 सीटों पर बीजेपी के साथ चुनाव लड़ा था,लेकिन 2025 में यह संख्या घटकर करीब 84 सीटों तक सीमित रह गई है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025
सा,रणनीति और जाति की नई बिसात

विनोद कुमार सिंह

यानी 20 वर्षों के शासन के बाद भी नीतीश कुमार की जदयू का सीट शेयरिंग अनुपात करीब 27त्न घट गया है।दूसरी ओर, बीजेपी जैसी राष्ट्रीय पार्टी को भी अपने सहयोगी दलों के दबाव में सीटों का त्याग करना पड़ा है।2005 में वह 101 सीटों, 2010 में 102, 2015 में जब नीतीश उनके साथ नहीं थे तो 157 सीटों पर उतरी,2020 में 110 सीटों पर और अब 2025 में फिर घटकर 101 सीटों पर आ गई है। येआंकडा दिखाता है कि सत्ता में साझेदारी का अनुपात कम होने के बावजूद,बिहार की राजनीति में जाति और क्षेत्रीय समीकरण आज भी निर्णायक हैं।बिहार की राजनीति का यह दिलचस्प पहलू है कि यहाँ राष्ट्रीय पार्टियाँ जातीय समीकरणों के आगे झुकती रही हैं।बीजेपी और जेडीयू को इस बार भी चिराग पासवान (एलजेपीरामविलास),जीतन राम मा झी (हम), उपे ंद, कुशवाहा(आरएलएम)और मुकेश सहनी (वीआईपी)जैसे छोटे लेकिन जाति-आधारित दलों से समझौता करना पड़ा है।इन सभी दलों ने अपनी-अपनी जातियों को राजनीतिक रूप से संगठित कर,एक ऐसा वोट बैंक बना लिया है जिसमें राष्ट्रीय पार्टियाँ सेंध नहीं लगा पाईं।यही कारण है कि बीजेपी और जेडीयू जैसी बड़ी पार्टियाँ इन्हें साथ रखे बिना सत्ता तक पहुँचने की कल्पना भी नहीं कर सकतीं।1990 के दशक में लालू प्रसाद यादव ने ÷जाति ही पहचान है÷ का जो नारा दिया था,उसने बिहार की राजनीति की दिशा ही बदल दी थी।आज भी बिहार में वही जातीय गणित सत्ता की चाबी तय करता है।बस चेहरे बदल गए हैं, लेकिन जाति का समीकरण जस का तस कायम है।1995 के बाद से बिहार की राजनीति में जो स्थायी पैटर्न उभरकर आया है,यहाँ मुकाबला दो दलों के बीच नहीं बल्कि दो गठबंधनों के बीच होता है।2020 के विधानसभा चुनाव के नतीजे इसका प्रमाण हैं - राजद को मिले 23.1त्न वोट,भाजपा को 19.5त्न,जदयू को 15.4त्न,

कांग्रेस को 9.5त्न वोट,जबकि छोटे दलों ने मिलकर 23.9त्न वोट बटोरे।यह आँकड़ा बताता है कि छोटे दल भले अकेले सत्ता में न आएँ,लेकिन बड़े दलों का खेल जरूर बिगाड़ देते हैं।वे बिखरे हुए वोटों को जोड़कर किसी गठबंधन को बढ़त दिला सकते हैं।यही वजह है कि बिहार की राजनीति में छोटे क्षेत्रीय दल ÷किंगमेकर÷ बन चुके हैं।छोटे दल,बड़ी भूमिका-जाति के गणित से सत्ता की रचना चिराग पासवान की एलजेपी (रामविलास)दलितों और विशेषकर पासवान समुदाय की राजनीतिक आवाज़ है।जीतन राम मांझी की 'हम'(हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा) मुसहर और अनुसूचित जातियों के बीच प्रभाव रखती है।उपेंद्र कुशवाहा की 'आरएलएम '(राष्ट्रीय लोक जनशक्तिमोर्चा) कोइरी- कुशवाहा वर्ग की आवाज़ है,तो मुकेश सहनी की 'वीआईपी' निषाद समाज का प्रतिनिधित्व करती है।इन चारों नेताओं ने अपनी जातियों को राजनीतिक चेतना दी,और यही चेतना अब गठबंधन की अनिवार्यता बन गई है।बीजेपी और जेडीयू के रणनीतिकारों को यह पता है कि बिना इन जातीय दलों के,वोटों का अंकगणित जीत में तब्दील नहीं हो सकता।बीजेपी ने इस बार बहुत खामोशी और चालाकी से बिहार में अपनी राजनीतिक बिसात बिछाई है।उसने नीतीश कुमार को छह इंच छोटा कर दिया -यानी जदयू की सीटें घटाई,और अपने सहयोगियों को ऐसी स्थिति में ला दिया कि वे दो- तीन सीटों से ज़्यादा न जीत पाएं, ताकि बाद में उनके साथ समझौता आसान हो।बीजेपी ने संजय झा जैसे नेताओं के ज़रिए जदयू में सेंध भी लगा दी है।अब स्थिति यह है कि उम्मीदवार चयन में भी बीजेपी का अंतिम फैसला होगा।यानी चुनाव के बाद अगर जेडीयू सत्ता में रहती भी है,तो उसका नियंत्रण नीतीश कुमार के नहीं,बल्कि बीजेपी के हाथों में होगा।नीतीश के पास तब दल बदलने की भी हैसियत नहीं बचेगी, क्योंकि उनके अधिकांश सांसद पहले से ही बीजेपी के संपर्क में बताए जाते हैं।यहाँ तक कि केंद्र सरकार पर भी नीतीश का कोई दबाव नहीं रह जाएगा।मोदी के हनुमान या नीतीश के शत्रु बीजेपी ने इस चुनाव में चिराग पासवान को 29 सीटें दी हैं राजनीतिक सूत्रों के अनुसार इनमें से 8 से 10 उम्मीदवार बीजेपी के अपने होंगे,जो एलजेपी के चुनाव- चिह्न पर लड़ेंगे।यानी चिराग के कंधे पर बैठकर बीजेपी अपनी चाल चल रही है।चुनाव के बाद वही एलजेपी के टिकट वाले विधायक बीजेपी के पाले में जा सकते हैं,जिससे नीतीश कुमार की स्थिति कमजोर और बीजेपी की मुख्यमंत्री पद की दावेदारी मजबूत हो जाएगी।यह ठीक वैसा ही परिदृश्य होगा जैसा महाराष्ट्र में शिंदे-बालासाहेब गुट के उभार के समय हुआ था।राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि अगर बीजेपी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला तो वह एलजेपी और हम जैसी पार्टियों के सहारे सत्ता का चेहरा बदल सकती है,और नीतीश कुमार को 'शिंदे' जैसा हाशिये पर पहुँचा सकती है । नीतीश की राजनीतिक आत्मघात या मजबूरी का गठबंधन -नीतीश कुमार के राजनीतिक यात्रा में यू-टर्न लेना नई बात नहीं,लेकिन 2025 का चुनाव उनके करियर का शायद सबसे जोखिम भरा मोड़ है।उन्होंने सत्ता में बने रहने के लिए बार-बार गठबंधन बदले,लेकिन इस बार गठबंधन ने उन्हें बदल दिया है।बीजेपी के साथ रहते हुए अब वे मुख्यमंत्री पद के प्रतीक मात्र बनते जा रहे हैं।पार्टी की सीटें घट गईं, संगठन में मतभेद बढ़े और उनके करीबी नेता तक बीजेपी के संपर्क में बताए जा रहे हैं।नीतीश अब उस स्थिति में हैं कि अगर वे असंतुष्ट भी हों,तो सुशासन बाबु के हाथ में कुछ नही लगेगें।वे ना तोगठबंधन तोड़ सकते हैं,ना ही अपना दबाव बना सकते हैं।देश की राजनीति अब पूरी तरह मोदी के नाम और चेहरे पर केंद्रित हो चुकी है,लेकिन बिहार अब भी जातीय पहचान की राजनीति से मुक्त नहीं हुआ है।बीजेपी काराष्ट्रवाद और÷एक रंग÷वालीराजनीति,बिहार के बहुरंगी जातिगत समीकरणों से बार-बार टकराती है।मोदी-शाह की रणनीति यह है कि बिहार को धीरे- धीरे जाति की जकड़ से निकालकर राष्ट्रीय एजेंडे में लाया जाए,लेकिन राजनीतिक व्यवहार में यह अभी संभव नहीं दिखता।क्योंकि बिहार का वोटर विकास के साथ-साथ जाति और मान-सम्मान के सवाल को भी मतदान का आधार बनाता है।एकता में दरारें और नेतृत्व का संकट-अगर हम विपक्षी खेमे की बात करें तो महागठबंधन में भी एकता का संकट कम नहीं।राजद, कांग्रेस,वामदल और अन्य छोटे दलों के बीच सीट बंटवारे और नेतृत्व पर मतभेद गहराते जा रहे हैं।तेजस्वी यादव के नेतृत्व को लेकर कांग्रेस और वामपंथी दलों में हिचक है, जबकि कांग्रेस खुद संगठनात्मक रूप से कमजोर है।हालाँकि महा गठबंधन का वोटबैंक अब भी लगभग 45 प्रतिशत के आसपास माना जाता है,लेकिन अगर सीटों पर तालमेल बिगड़ा तो इसका सीधा लाभ एनडीए को मिलेगा।जाति जितनी मजबूत,सत्ता में उतनी धमक मजबूत-बिहार की राजनीति का यह निष्कर्ष बार-बार दोहराया जा सकता है कि÷जाति जितनी मजबूत, सत्ता में उतनी धमक मजबूत।÷आज के बिहार में कोई भी पार्टी जातिगत समीकरणों की उपेक्षा कर चुनाव नहीं जीत सकती।बीजेपी के पास मोदी का चेहरा है,राजद के पास लालू-तेजस्वी की सामाजिक समीकरण की पूँजी,और जदयू के पास अब भी 'सुशासन बाबू' का चेहरा,लेकिन निर्णायक शक्ति उन्हीं छोटे दलों के पास है जो जातियों को संगठित वोट बैंक में बदल चुके हैं।संक्षेप में बिहार का नया राजनीतिक युग2025 का बिहार विधानसभा चुनाव केवल सत्ता का नहीं,बल्कि सत्ता की साझेदारी और नियंत्रण का चुनाव है।यह चुनाव तय करेगा कि क्या नीतीश कुमार अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बचा पाएंगे, या फिर बीजेपी अपनी चालों से बिहार की सत्ता पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लेगी। बिहार का यह चुनाव यह भी दिखाएगा कि क्या मोदी का राष्ट्रवाद जातीय राजनीति को मात दे पाएगा,या फिर बिहार एक बार फिर यह साबित करेगा कि यहाँ सत्ता की चाबी जाति के पास ही रहती है।बिहार की राजनीति का यह संदेश साफ़ है कि यहाँ के छोटे दल भले आकार में छोटे हों,पर प्रभाव में बड़े हैं।और इस बार,बिहार का मतदाता तय करेगा कि सत्ता की डोर दिल्ली की मंशा से चलेगी या पटना की मिट्टी से ये अभी अतीत के गर्भ में है,जिसकी असली चाबी मतदाताओं के पास है।

ड्रिल पीरियड में खेल नहीं, नैतिक शिक्षा

पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण है विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना हिमाचल के स्कूलों में आजकल ड्रिल के पीरियड में खेल मैदान में व्यायाम व खेल न होकर कक्षा के कमरे में नैतिक शिक्षा पढ़ाकर खानापूर्ति की जा रही है।

भूपिंद्र सिंह

वर्षों से स्कूली स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम शुरू करने की बात इस कॉलम के माध्यम से हो रही है तथा हमने भी व्यक्तिगत तौर पर प्रदेश के बड़े निजी स्कूलों के प्रबंधकों से भी कई बार बात की है, मगर हिमाचल प्रदेश का कोई भी सरकारी या निजी स्कूल अपने यहां फिटनेस कार्यक्रम लागू करने में नाकाम रहे हैं। कई बार नए शिक्षा सत्र शुरू होकर खत्म हो गए, मगर फिटनेस कार्यक्रम कहीं भी शुरू नहीं हो पाया है। मगर पिछले वर्ष हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य के विद्यालयों में विद्यार्थियों की सामान्य फिटनेस के लिए पहले की तरह अनिवार्य रूप से ड्रिल के पीरियड का प्रावधान किया है, मगर राज्य में फिटनेस संस्कृति के अभाव में धरातल पर कुछ भी सकारात्मक नजर नहीं आ रहा है। शिक्षा विभाग के स्कूलों में अब मैदान की जगह कक्षा के कमरे में खेल व व्यायाम की जगह नैतिक शिक्षा को पढ़ाया जा रहा है। शिक्षा का मतलब शरीर व मन दोनों का विकास करना है, तो शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो। क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, सट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रयोगिक प्रशिक्षण भी उसी उम्र में शुरू करना होता है।

शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को कई बार चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है। किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं, किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है। इसलिए सरकार, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिएं। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है तो वह फिर युवावस्था आते-आते समझदार हो गया होता है। माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विद्याओं में व्यस्त रखने के साथ साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडना बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है जिससे वह आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सके। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य रहा है। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे-धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाड़ियों को करोड़ों रुपए के नगद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त वातावरण तैयार किया है। उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है। हिमाचल प्रदेश में भी पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश की खेलों के लिए अपने पहले कार्यकाल से ही कई महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा देश में प्रशिक्षक कैडर डाईंग हो जाने के बाद पहली बार प्रशिक्षकों की भर्ती बहुत बड़े खेल सुधार किए। हिमाचल प्रदेश की खेल सुविधाओं का प्रयोग राज्य में स्वास्थ्य व खेलों के लिए बड़े स्तर पर करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण है विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना। रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गए हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकांश आबादी गांव में रहती थी। वहां पर सवेरे-शाम वर्षों पहले विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ कृषि व अन्य घरेलू कार्यों में सहायता करता था। विद्यालय आने जाने के लिए कई किलोमीटर दिन में पैदल चलता था। इसलिए उस समय के विद्यार्थी को किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम की कोई जरूरत नहीं थी। आज का विद्यार्थी घर के आंगन में बस पर सवार होकर विद्यालय के प्रांगण में उतरता है।

पढ़ाई के नाम पर ज्यादा समय खर्च करने के कारण फिटनेस के लिए कोई समय नहीं बचता है। अधिकांश स्कूलों के पास फिटनेस के लिए न तो आधारभूत ढांचा है और न ही कोई कार्यक्रम है। आज का विद्यार्थी फिटनेस व मनोरंजन के नाम पर दूरसंचार माध्यमों का कमरे में बैठ कर खूब दुरुपयोग कर रहा है। ऐसे में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास की बात मजाक लगती है। आज के विद्यार्थी के लिए विद्यालय या घर पर आधे घंटे के फिटनेस कार्यक्रम की सख्त जरूरत है। इसमें 15 से 20 मिनट धीरे-धीरे दौडना तथा विभिन्न कोणों पर शरीर के जोड़ों की विभिन्न क्रियाओं को पूरा करने के बाद शरीर को कूलडाऊन करना होगा। कम से कम बीस मिनटों तक तेज चलने, दौडने व शारीरिक क्रियाओं के करने से रक्त वाहिकाओं में रक्त संचार तेज हो जाता है।

आकाशीय बिजली एवं मौसम पूर्वानुमान की जानकारी देगी दामिनी एवं मेघदूत एप

एप के संबंध में वृहद स्तर पर प्रचार-प्रसार के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। दामिनी (Damini) भारत सरकार द्वारा बनाया गया एक मोबाइल ऐप है जो लोगों को आकाशीय बिजली गिरने से पहले सचेत करता है, जिससे जान-माल की हानि को कम किया जा सके। यह ऐप मौसम विभाग के उपकरणों जैसे इसरो सैटेलाइट और रडार सेंसर का उपयोग करता है और उपयोगकर्ता के स्थान के 20-40 किलोमीटर के दायरे में बिजली गिरने से पहले अलर्ट भेजता है। इसी प्रकार मेघदूत ऐप एक मोबाइल एप्लिकेशन है जो किसानों को मौसम-आधारित कृषि सलाह देता है। यह ऐप किसानों को स्थानीय मौसम पूर्वानुमान, तापमान, वर्षा और आर्द्रता जैसी जानकारी के साथ-साथ फसल की सुरक्षा के लिए वैज्ञानिक सलाह प्रदान करता है।

भारत सरकार के दामिनी एप एवं मेघदूत एप के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश में आए दिन आकाशीय बिजली की घटना घटित होने के कारण अधिक संख्या में जन एवं पशु हानि की सूचना प्राप्त होती है। दामिनी एप के माध्यम से आकाशीय बिजली का पूर्वानुमान में आवश्यक तैयारी, उपाय आदि की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इसी तरह मेघदूत एप मुख्य रूप से मौसम पूर्वानुमान (तापमान, वर्षा की स्थिति, हवा की गति एवं दिशा इत्यादि)से संबंधित है, जिससे किसान अपने क्षेत्र की मौसम से संबंधित पूर्वानुमान की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

आपदा के समय नागरिकों को तत्काल सहायता पहुँचाने हेतु जारी टोल फ्री आपदा सहायता नंबर 1070 के प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए हैं। एप के उपयोग के संबंध में जिला, तहसील तथा ग्रामों में निवासरत पटवारी, सरपंच, सचिव, शासकीय शिक्षक, आशा कार्यकर्ता के माध्यम से वृहद स्तर पर प्रचार-प्रसार तथा कोटवार के द्वारा मुनादी करवाकर मोबाइल फोन पर डाउनलोड करवाने के लिए जनसामान्य को जागरूक किया जाएगा।

किसानों की फसलों का कवच बन रहा हैं मेघदूत एप: मौसम विभाग में मेघदूत नाम का एक ऐप विकसित किया गया है जो किसान की फसलों का सुरक्षा कवच साबित हो रहा है। मेघदूत ऐप डिजिटल इंडिया के तहत किसानों को तकनीक से जोडने के लिए भारत सरकार द्वारा लांच किया गया है। इसका उपयोग बेहद सरल है, इसके माध्यम से मौसम की जानकारी के आधार पर किसानों को फसल जोखिम प्रबंधन से संबंधित सलाह मिलती है। इस ऐप को गूगल प्ले स्टोर से किसानों को डाउनलोड करना होगा और फिर अपने मोबाइल नंबर से पंजीकरण करके मौसम की जानकारी का अलर्ट पा सकते हैं।

आकाशीय बिजली से किसानों को दामिनी एप से मिलेगी सुरक्षा: दामिनी एपके माध्यम से किसानों को आकाशीय बिजली से बचाव के तरीकों के संबंध में आधे घंटे पहले ही सूचना उपलब्ध हो जाएगी।इस एप पर रजिस्ट्रेशन करने के उपरांत किसान की लोकेशन के अनुसार उस स्थान से 40 किलोमीटर के दायरे में आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी के बारे में ऑडियो संदेश एवं एसएमएस के माध्यम से अलर्ट मिलेगा।

हम आत्मनिर्भर हैं और भविष्य को लेकर आश्वस्त भी

आदिवासी स्वरोजगार योजना ने बदली जिंदगी, व्यवसाय को मिली मजबूती

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छोटी सी मदद कैसे किसी परिवार और उसके भविष्य को सशक्त व आत्मनिर्भर बना देती है, इसकी मिसाल है कांकेर की शारदा उसेंडी। राज्य शासन की पहल से एक छोटे से लोन ने न केवल उसकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया, बल्कि बच्चों की बेहतर पढ़ाई-लिखाई के दरवाजे भी खोले।

बारहवीं तक पढ़ी अंतागढ़ विकासखण्ड के पोण्डगांव की शारदा उसेंडी पहले अपने छोटे से किराना दुकान और थोड़ी-बहुत खेती के सहारे जीवन-यापन कर रही थीं। आय सीमित होने के कारण आर्थिक स्थिति में कोई विशेष सुधार नहीं हो पा रहा था। इसी बीच कांकेर के जिला अंत्यावसायी विभाग के माध्यम से उसे जानकारी मिली कि अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए ÷आदिवासी स्वरोजगार योजना÷ के तहत ऋण सुविधा उपलब्ध है। उसने तत्परता दिखाते हुए विभाग में आवेदन दिया। विभाग ने उसके आवेदन को भारतीय स्टेट बैंक, अंतागढ़ भेजा, जहां से उसके लिए एक लाख रूपए का ऋण स्वीकृत हुआ। ऋण के साथ ही विभाग की ओर से दस हजार रूपए का अनुदान भी मिला।

उसेंडी ने इस राशि से अपने किराना व्यवसाय को विस्तार दिया। वह बताती है कि अभी उसे दुकान से हर महीने पांच से सात हजार रुपए तक की शुद्ध कमाई हो रही है। उसके पति और बच्चे भी इस व्यवसाय में पूरा सहयोग कर रहे हैं। अपने किराना दुकान की बदौलत उसने नियमित रूप से बैंक की किस्तें चुकाने के साथ-साथ दोनों बेटों की शिक्षा पूरी करवाई है। उसकी बेटी अभी कॉलेज में पढ़ रही है।

शारदा उसेंडी बताती हैं - दुकान के विस्तार के बाद हमारी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हो गई है। अब हम आत्मनिर्भर हैं और भविष्य को लेकर आश्वस्त भी। उसने छत्तीसगढ़ शासन के अंत्यावसायी विभाग, कांकेर के प्रति आभार जताते हुए आदिवासी युवक-युवतियों से अपील की है कि वे आदिवासी स्वरोजगार योजना का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनने की राह में कदम बढ़ाएं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक हुई संपन्न

योजनाओं में लापरवाही या गुणवत्ताहीन कार्य किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने सभी विभागीय अधिकारियों को पारदर्शी, जवाबदेह और परिणाममुखी कार्यप्रणाली अपनाने के निर्देश देते हुए कहा कि शासन की हर योजना का उद्देश्य जनता तक अधिकतम लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कलेक्टर कॉन्फ्रेंस से जुड़े बिंदुओं की समीक्षा करते हुए डीएमएफ मद से स्वीकृत कार्यों का नियमानुसार संधारण करने और भंडार क्रय नियमों का कड़ाई से पालन करने की हिदायत दी। कलेक्टर ने पीएम पोर्टल पर प्राप्त जन शिकायतों का समयबद्ध एवं निष्पक्ष निराकरण प्राथमिकता से करने को कहा। तहसीलवार डीसीएम और गिरदावरी कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को तथ्यपरक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। ई-ऑफिस व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए भरतपुर और खड़गवां में विशेष प्रशिक्षण आयोजित करने तथा सभी फाइलों को केवल ई-ऑफिस के माध्यम से संचालित करने पर बल दिया गया।

इसके साथ ही जैम पोर्टल से जुड़ी खामियों को सुधारने, स्थानीय सप्लायरों को जोड़ने और कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश दिए गए। सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए उन्होंने आवास, उज्जवला और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के त्वरित निष्पादन पर जोर दिया। राजस्व विभाग को लंबित प्रकरण शीघ्र निपटाने, डीसीएस समितियों में सुधार लाने, पंजीकृत किसानों की स्थिति स्पष्ट करने तथा जहां डीसीएस लागू नहीं है वहां तत्काल क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए। कृषि विभाग को ई-केवाईसी, आधार सेंडिंग और कृषि आंकड़ों की सटीकता सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। पीएम सूर्य घर योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने फर्जी पीएम किसान निधि मामलों की जांच और रोकथाम के निर्देश दिए। वहीं स्वास्थ्य विभाग को आरोग्य केंद्रों और जिला अस्पतालों में बीपी और शुगर की नियमित जांच अनिवार्य करने, एनसीडी स्क्रीनिंग पर फोकस बढ़ाने तथा कुपोषण उन्मूलन हेतु ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी, मीजल्स-रुबेला उन्मूलन, एनीमिया और मलेरिया जनजागरूकता कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने तथा एनआरसी-एमआईसी पोर्टल में समय पर अपडेट सुनिश्चित करने को कहा गया। आंगनबाड़ी केंद्रों की समीक्षा में कलेक्टर ने बच्चों का मापन सही रखने, रिक्त पदों की जानकारी समय पर भेजने और सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

परिवहन सेवा से बदली महिलाओं की दुनिया

फरसपाल की महिलाएं बनी स्वावलंबी की मिसाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में नया उजाला भर दिया है। इस मिशन के माध्यम से गांवों की साधारण गृहणियाँ अब आत्मनिर्भर बनकर समाज में नई पहचान बना रही हैं। ऐसी ही एक प्रेरक कहानी है दंतेवाड़ा जिले के ग्राम पंचायत फरसपाल की महिलाओं की है, जिन्होंने मेहनत, लगन और सरकारी योजनाओं की मदद से स्वावलंबन की मिसाल पेश की है।

स्व सहायता समूह स्थायी आमदनी का मिला साधन: ग्राम फरसपाल की गंगादेवी स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने मिलकर एक टाटा मैजिक वाहन खरीदा और आस-पास के गांव आलनार, कुंदेनार, दंतेवाड़ा और गीदम तक परिवहन सेवा शुरू की। इस सेवा से अब ग्रामीणों को आने-जाने में आसानी हो रही है, वहीं महिलाओं को भी स्थायी आमदनी का जरिया मिल गया है। दंतेवाड़ा जिला प्रशासन की ओर से इन महिलाओं को ड्राइविंग प्रशिक्षण दिया गया। समूह ने वाहन संचालन के लिए एक ड्राइवर का चयन किया और मिल-जुलकर यह सेवा सफलतापूर्वक शुरू की। आज यह टाटा मैजिक रोजाना सैकड़ों ग्रामीणों की यात्रा का भरोसेमंद साधन बन चुकी है।

समूह की सदस्य यन्ति ठाकुर इस पूरी परिवहन सेवा का हिसाब-किताब और लेखा प्रबंधन देखती हैं। वे बताती हैं कि पहले सिर्फ एक गृहणी थी, जीवन सीमित आय में गुजारती थी, पर जब गंगादेवी स्व-सहायता समूह से जुड़ी, तो बचत और प्रशिक्षण ने उसकी जीवन बदल दिया। अब हम महिलाएं भी अपने परिवार की आमदनी बढ़ा रही हैं।

आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में भागीदार: आज समूह की मासिक आय लगभग 26 हजार रुपए तक पहुँच गई है। महिलाओं ने इस कमाई से अपने घरों की आर्थिक स्थिति सुधारी है और बच्चों की शिक्षा, घर की जरूरतों तथा बचत तीनों में संतुलन बना लिया है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत शुरू हुई यह पहल दिखाती है कि जब महिलाओं को अवसर और सहयोग मिलता है, तो वे न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे गांव की प्रगति में भागीदार बन जाती हैं।

'फरसपाल की गंगादेवी स्व सहायता समूह की कहानी, ग्रामीण महिलाओं की मेहनत, आत्मविश्वास और शासन की योजनाओं के सफल संगम की प्रेरक मिसाल है।

बस्तर में नक्सल उन्मूलन की दिशा में ऐतिहासिक सफलता -दण्डकारण्य क्षेत्र के 200 से अधिक माओवादी कैडर करेंगे आत्मसमर्पण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन की व्यापक नक्सल उन्मूलन नीति और निरंतर सशक्त रणनीतिक प्रयासों के परिणामस्वरूप दण्डकारण्य क्षेत्र के लगभग 200 माओवादी कैडर, जिनमें वरिष्ठतम हार्डकोर कैडर भी शामिल हैं, ने हिंसा का मार्ग त्यागकर सामाजिक मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है।

इन आत्मसमर्पित माओवादी कैडरों के औपचारिक पुनर्समावेशन समारोह का आयोजन शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025 को प्रातः 11:00 बजे, रिज़र्व पुलिस लाइन, जगदलपुर (जिला बस्तर) में किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय तथा उपमुख्यमंत्री (गृहमंत्री) श्री विजय शर्मा उपस्थित रहेंगे।

यह निर्णायक और ऐतिहासिक घटनाक्रम मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन की उस नीति का प्रत्यक्ष परिणाम है, जिसमें शांति, संवाद और विकास को केंद्र में रखकर विश्वास और पुनर्वास का वातावरण निर्मित किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर की वास्तविक शक्ति उसके लोगों की आत्मनिर्भरता, शिक्षा, आजीविका और सामाजिक सम्मान में निहित है। इन्हीं मूल्यों पर आधारित शासन की नीति ने अब दण्डकारण्य के भीतरी इलाकों तक नई उम्मीद और परिवर्तन का संदेश पहुँचाया है।यह अवसर बस्तर में नक्सल उन्मूलन की दिशा में एक निर्णायक मोड़ का प्रतीक बनेगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शासन ने न केवल सुरक्षा मोर्चे पर ठोस पहल की है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़कों, संचार और आजीविका से जुड़े विकास कार्यों के माध्यम से स्थायी शांति की आधारभूमि भी तैयार की है।यह सफलता पुलिस और सुरक्षा बलों की रणनीतिक मुहिम, स्थानीय प्रशासन के समन्वित प्रयासों, तथा जागरूक समाज और जनप्रतिनिधियों की रचनात्मक भागीदारी का भी परिणाम है।

सामाजिक समानता, आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने 1 सितंबर 2024 को प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 की शुरुआत की है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, निम्न आय वर्ग और मध्यम आय वर्ग के परिवारों को सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधायुक्त पक्का मकान उपलब्ध कराना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हर परिवार को छत संकल्प इस योजना के माध्यम से साकार हो रहा है।

इस योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को स्वयं की भूमि, स्थायी पट्टा या आबादी भूमि पर पक्का मकान निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। मकान 30 से 45 वर्गमीटर कारपेट क्षेत्रफल में बनेगा, जिसमें दो कमरे, रसोई, शौचालय और बाथरूम अनिवार्य होंगे। स्वामित्व पूरी तरह हितग्राही के नाम पर रहेगा, जिससे भविष्य में विवाद न हों।

योजना का लाभ केवल उन्हीं जरूरतमंदों को मिलेगा जिनके पास पहले से पक्का मकान नहीं है और जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय 3 लाख रुपये से अधिक न हो। आवेदन के समय भूमि स्वामित्व प्रमाण जैसे खसरा, पांचशाला, पट्टा दस्तावेज, नक्शा और पात्र हितग्राही प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के अंतर्गत नगर निगम चिरमिरी, नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़, नगर पंचायत खोंगापनी और जनकपुर में इच्छुक नागरिक कार्यालयीन समय में आवेदन कर सकते हैं। प्रत्येक नगरीय निकाय में योजना हेतु अलग काउंटर स्थापित किया गया है, जहाँ पात्रता, आवश्यक दस्तावेज और अनुदान प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 केवल घर उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समानता और महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दे रही है। अधिकांश आवास महिला सदस्य के नाम पर पंजीकृत किए जा रहे हैं, जिससे महिलाओं की पारिवारिक और सामाजिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

रितु नाग ने बढ़ाया सुकमा का मान

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुकमा जिले की धरती एक बार फिर खेल के क्षेत्र में चमक उठी है। यहां की होनहार छात्रा रितु नाग ने अपने शानदार प्रदर्शन से जिले का नाम पूरे प्रदेश में रोशन किया है। रितु की इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि सुकमा की बेटियां मेहनत और लगन से हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने रितु की उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। कोरबा जिले में 12 से 15 अक्टूबर 2025 तक आयोजित 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में रितु नाग ने बस्तर संभाग की हॉकी टीम में शामिल होकर बेहतरीन खेल दिखाया। उनकी टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) अपने नाम किया। इस सफलता से सुकमा ही नहीं, पूरे बस्तर संभाग का गौरव बढ़ गया है। रितु नाग वर्तमान में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, छिंदगढ़ में कक्षा 9वीं की छात्रा हैं और प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही हैं।

दीपावली से पहले शासकीय कर्मचारियों को अग्रिम वेतन भुगतान – मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर शासन का संवेदनशील निर्णय

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। दीपावली के शुभ अवसर पर राज्य शासन ने अपने शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए माह अक्टूबर 2025 का वेतन 17 एवं 18 अक्टूबर को अग्रिम रूप से भुगतान करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने सभी विभागों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मेरे लिए शासन केवल तंत्र नहीं, बल्कि उन कर्मठ साथियों का परिवार है जो पूरे मन से जनता की सेवा में लगे हैं। दीपावली पूर्व अग्रिम वेतन भुगतान का यह निर्णय उसी आत्मीयता का प्रतीक है – कि सरकार अपने हर साथी की खुशियों में सहभागी बने और हर घर में उजियारा तथा प्रसन्नता फैले।

उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व प्रसन्नता, एकता और उत्साह का प्रतीक है। शासन का उद्देश्य है कि प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी इस पर्व को परिवार सहित उल्लासपूर्वक मना सके और किसी प्रकार की आर्थिक असुविधा का सामना न करना पड़े।

वेतन भुगतान की प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न करने हेतु राज्य के सभी कोषालय एवं उपकोषालय 18 अक्टूबर (शनिवार, अवकाश दिवस) को भी खुले रहेंगे, ताकि किसी कर्मचारी को भुगतान प्राप्त करने में कोई कठिनाई न हो। राज्य शासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि मजदूरी, मानदेय एवं पारिश्रमिक जैसे अन्य मदों में भी नियमानुसार अग्रिम भुगतान किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दीपावली पूर्व अग्रिम वेतन भुगतान से न केवल शासकीय कर्मचारियों को आर्थिक सुविधा और राहत प्राप्त होगी, बल्कि इससे जीएसटी बचत उत्सव के दौरान राज्य के बाजारों में रौनक, व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि और आर्थिक प्रवाह में तीव्रता आएगी। इससे स्थानीय व्यापारियों, कारीगरों और छोटे उद्यमियों को भी प्रत्यक्ष लाभ होगा तथा राज्य की अर्थव्यवस्था में उत्सव और विश्वास का वातावरण बनेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शासन का हर निर्णय अपने कर्मठ साथियों की खुशियों और सम्मान से जुड़ा है। दीपावली से पहले अग्रिम वेतन भुगतान उसी आत्मीय भावना का प्रतीक है कि हर घर में उजियारा फैले और हर हृदय में प्रसन्नता एवं विश्वास का दीप जले।

धान उपार्जन अवधि में उड़ीसा व अन्य राज्यों से अवैध परिवहन पर सख्त निगरानी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 की धान एवं मक्का उपार्जन नीति के तहत इस वर्ष किसानों से समर्थन मूल्य पर सुचारू और पारदर्शी रूप से धान खरीदी सुनिश्चित करने की दिशा में प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। महासमुंद जिले में उड़ीसा एवं अन्य राज्यों से अवैध रूप से धान लाकर छत्तीसगढ़ के उपार्जन केंद्रों में विक्रय को रोकने के लिए कलेक्टर श्री विनय लंगेह के निर्देश पर 16 जांच चौकियों (चेक पोस्ट) की स्थापना की जा रही है।

ये चौकियां जिले की सीमाओं पर आगामी 01 नवंबर 2025 से धान उपार्जन अवधि की समाप्ति तक संचालित रहेंगी। इन चौकियों पर राजस्व, कृषि उपज मंडी समिति, वन विभाग और पुलिस के अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। सभी जांच चौकियों पर वाहनों की गहन जांच की जाएगी ताकि बाहरी राज्यों से आने वाले अवैध धान के परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

'मोर गांव मोर पानी' अभियान से सरगुजा जिला बना जल आत्मनिर्भर

जनभागीदारी और शासन की पहल से पुनर्जीवित हुए पारंपरिक जल स्रोत

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (निप्र)। सरगुजा जिले में 'मोर गांव मोर पानी' महा अभियान के तहत भू-जल स्तर में गिरावट को रोकने, वर्षा जल संचयन को प्रोत्साहित करने और पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण के लिए व्यापक कार्य किए गए हैं। छत्तीसगढ़ शासन का उद्देश्य था कि प्रत्येक गांव अपने जल स्रोतों का संरक्षण कर जल आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़े, ताकि आने वाले समय में जिले को जल संकट से मुक्ति मिल सके।

मोर गांव मोर पानी महा अभियान के अंतर्गत सरगुजा जिले के विभिन्न विकासखण्डों अम्बिकापुर, मैनपाट, लखनपुर, बतौली, सीतापुर, लुण्ड्रा, और उदयपुर में वर्षा जल संचयन के लिए विशेष कार्ययोजनाएं तैयार की गई हैं। इन क्षेत्रों में 'रीज टू वैली' की अवधारणा पर आधारित तकनीकों का उपयोग किया गया है, ताकि वर्षा का प्रत्येक बूंद भूमि में समाहित होकर भूजल को समृद्ध कर सके।

इस दिशा में स्ट्रेगर्ड कंटूर ट्रेंच 09, सतत कंटूर ट्रेंच 01, लूज बोल्डर चेक डैम 299, गैबियन स्ट्रक्चर 02, ब्रशवुड चेक डैम 133, अर्दन गली पल्ग 315, सोकपिट निर्माण 14840 तथा सैंड फिल्टर रिचार्ज 17 यूनिट्स का निर्माण बड़े पैमाने पर किया गया है। ये संरचनाएं बरसात के पानी को बहने से रोककर भूमि में रिसने में मदद करती हैं, जिससे भू-जल पुनर्भरण में वृद्धि होती है।

अभियान के तहत जिले के विभिन्न ग्रामों में स्थित पुराने कुएं, तालाब, नालों और चेकडैमों का गहरीकरण और मरम्मत कार्य किया जा रहा है। कई स्थानों पर वर्षों से सूखे पड़े तालाबों में पुनः जल संचित होना शुरू हो गया है, जिससे ग्रामीणों को घरेलू उपयोग एवं पशुपालन के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो रहा है।

भू-जल स्तर में सुधार होने से किसानों को अब सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल रहा है। पहले जहां केवल एक फसल संभव थी, वहीं अब किसान रबी और खरीफ दोनों सीजन में फसलें ले पाएंगे। साथ ही डबरी निर्माण, नालों पर चेकडैम और तालाबों से खेतों में नमी बनी रहने लगी है, जिससे खेती की उत्पादकता और आमदनी में वृद्धि होगी।

जनभागीदारी से चलाया गया जल संरक्षण आंदोलन: मोर गांव मोर पानी महाभियान केवल शासन की पहल नहीं, बल्कि इसे एक जन आंदोलन का स्वरूप दिया गया है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में जनप्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूहों, युवाओं और ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इन समूहों को जल संरक्षण तकनीकों, वर्षा जल संचयन विधियों, भूजल पुनर्भरण और पर्यावरणीय संतुलन के प्रति जागरूक किया गया। जिले के स्कूलों और महाविद्यालयों में भी विद्यार्थियों के बीच 'मोर गांव मोर पानी महाभियान' विषय पर रैलियां, निबंध प्रतियोगिताएं और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

मोर गांव मोर पानी महा अभियान के चलते जिले में कई स्थानों पर भू-जल स्तर में 1 से 2 मीटर तक सुधार दर्ज किया गया है। पहले जिन गांवों में गर्मी के मौसम में पेयजल संकट था, वहां अब हैंडपंप और कुएं सुचारू रूप से चल रहे हैं। शासन का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में जिले के प्रत्येक गांव में पर्याप्त जल संरचनाएं निर्मित हों, ताकि सरगुजा जल आत्मनिर्भर जिला के रूप में विकसित हो सके।

मासूम को पांच इंजेक्शन का हैवी डोज दिया, मौत

परिजन बोले- पेट दर्द था, निमोनिया बताकर इलाज किया; यूक्रेन से पढ़ाई छोड़कर आया था डॉक्टर

खंडवा, एजेंसी। खंडवा के गांधवा गांव में झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही के कारण डेढ़ साल के बच्चे की मौत हो गई। पेट दर्द की शिकायत पर परिजन बच्चे को क्लिनिक ले गए थे, जहां झोलाछाप ने सामान्य चेकअप कर उसे निमोनिया बताया और पांच इंजेक्शन का हैवी डोज दे दिया। डॉक्टर यूक्रेन से पढ़ाई अधूरी छोड़कर खंडवा आया था और यहीं इलाज करने लगा। पहले भी गलत इलाज से एक युवती की जान गई थी।

बच्चे के पिता लाबु बारेला ने बताया कि गुरुवार को एक रिश्तेदार ने उन्हें गांधवा के डॉक्टर हिमांशु यादव के पास जाने की सलाह दी थी। छोटी दुकान में डॉक्टर ने मिनी अस्पताल खोल रखा था। झोलाछाप ने बच्चे का चेकअप कर कहा कि उसे निमोनिया है और इलाज में पांच दिन लगेगा। आपको पांच दिन यहां आना पड़ेगा।

इसके बाद उसने पहले एक छोटी सलाइन दी, फिर बड़ी सलाइन में पांच इंजेक्शन उतार दिए। इलाज के कुछ देर बाद ही बच्चे की हालत बिगड़ने लगी। जब परिजन ने डॉक्टर को बुलाया, तो वह वहां नहीं था। डॉक्टर की पत्नी ने कहा कि बच्चे को घर ले जाओ, नहीं तो पुलिस को बुलाएंगे।

हिमांशु यादव, झोलाछाप डॉक्टर

आरोप- चौकी पुलिस ने सुनवाई नहीं की: घटना के बाद बच्चे के पिता लाबु बारेला शिकायत लेकर चौकी पहुंचे, लेकिन पुलिस ने सुनवाई नहीं की। इसके बाद पिपलोद थाने जाकर शिकायत दर्ज कराई गई और बच्चे को जिला अस्पताल भेजा गया। पोस्टमॉर्टम शुक्रवार को हुआ।

यूक्रेन से पढ़ाई अधूरी छोड़कर आया है: ग्रामीणों के अनुसार झोलाछाप हिमांशु यादव ने विदेश में पढ़ाई कर रहे होने का दावा किया, लेकिन यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के बाद पढ़ाई अधूरी छोड़कर लौट आया। पिता गणेश यादव सरकारी डिस्पेंसरी में ड्रेसर है। हिमांशु और उसकी पत्नी ने गांव में मिनी अस्पताल जैसा क्लिनिक खोल रखा है।

तीन साल पहले युवती की जान ली: झोलाछाप डॉक्टर हिमांशु लॉकडाउन के बाद से प्रैक्टिस कर रहा है। उसने शुरुआत में ही करीब तीन साल पहले गांव की युवती को गलत इंजेक्शन दे दिया था। पीएटी की तैयारी कर रही छात्रा की मौत के बाद मामले ने काफी तूल पकड़ा था। बाद में छात्रा प्रतिभा पाटीदार के परिजनों और झोलाछाप डॉक्टर के बीच समझौता हुआ था।

बीएमओ बोले- झोलाछापों को नोटिस दे रहे: पंधाना क्षेत्र के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर ओमप्रकाश तंतवार ने कहा, निजी क्लिनिक का रजिस्ट्रेशन जिला स्तर से होता है। इसलिए ज्यादा जानकारी नहीं है। मैं गणेश यादव को जानता हूं, जो कि गांधवा के सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर ड्रेसर हैं। उसके पास क्लिनिक का कोई रजिस्ट्रेशन नहीं है। क्षेत्र में बहुत सारे झोलाछाप है, एक साथ कार्रवाई करना मुश्किल होता है। एक-एक करके सभी को नोटिस थमा रहे हैं।

कैसे बता दिया कि निमोनिया है : जानकारों के मुताबिक, झोलाछाप हो या एमडी डॉक्टर है, ये लोग स्टेथेस्कोप नामक उपकरण से मरीजों का चेकअप करते हैं। जिसका उपयोग हृदय, फेफड़े और आंतों की आवाजें सुनने के लिए किया जाता है। सवाल यह है कि निमोनिया की जांच के लिए एक्सरे किया जाता है। जबकि झोलाछाप हिमांशु ने डेढ़ साल के मासूम बच्चे को नॉर्मल चेकअप से निमोनिया बताकर उसे हैवी डोज दे दिया। परिजन तो पेट दर्द की समस्या लेकर आए थे।

फोरलेन पर कंटेनर बाइक को टक्कर मार बस में घुसा

रतलाम-जावरा फोरलेन पर बीच में फंसा बाइक सवार, मौत

रतलाम, एजेंसी। रतलाम से जावरा के बीच फोरलेन पर कंटेनर ने बाइक सवार को टक्कर मारते हुए बस को भी टक्कर मार दी। इलाज के दौरान बाइक सवार की मौत हो गई। हादसा नामली थाना अंतर्गत गांव भदवासा पर रोड पर गुरुवार रात करीब 8 बजे हुआ। फोरलेन का रतलाम से जावरा की तरफ जाने वाली रोड का पेचवर्क होने के कारण ट्रैफिक बंद कर रखा। इस कारण दूसरी साइड जावरा से रतलाम वाली रोड से दोनों तरफ से वाहनों का आना-जाना लगा है। जानकारी के अनुसार, भदवासा फंटे पर रतलाम से जावरा की ओर जा रहे कंटेनर क्रमांक आरजे14 जीआर 2506 ने अपने आगे चल रहे बाइक सवार को टक्कर मार दी।

बाइक सवार के आगे बस चल रही थी। कंटेनर बाइक को टक्कर मारते हुए पीछे से बस में घुस गया। इस कारण बाइक सवार बस व कंटेनर के बीच में आ जाने से गंभीर घायल हो गया।

मौके पर भीड़ लग गई। बस में सवार यात्रियों व कंडक्टर ने कंटेनर ड्राइवर को पकड़ लिया। लोगों ने कंटेनर के ड्राइवर के नशे में होने का आरोप लगाया। नामली थाना पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को रतलाम मेडिकल कॉलेज भेजा गया। बस में सवार कुछ यात्रियों को मामूली चोट आई, लेकिन मेडिकल कॉलेज कोई नहीं पहुंचा।

फैक्ट्री से काम कर घर लौट रहा था: नामली थाना पुलिस के अनुसार बाइक सवार लोकेंद्रसिंह (33) पिता रघुनाथसिंह निवासी रीछाचांदा (जावरा) धौंसवास के समीप इप्का फैक्ट्री से काम कर अपने घर लौट रहा था। हेलमेट भी पहन रखा था, वह बस व कंटेनर की चपेट में आने से टूट गया। रात करीब 9.45 बजे बाइक सवार की मौत हो गई। नामली थाना प्रभारी विक्रम कोली ने बताया कि कंटेनर को जब्त कर ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। जांच की जा रही है।

मुंबई जाने इंदौर से भागे नाबालिग दो दोस्त

नर्मदापुरम में किन्नरों की चैकिंग के दौरान पठानकोट एक्सप्रेस ट्रेन में आरपीएफ को मिले

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन पर अमृतसर से मुंबई जा रही पठानकोट एक्सप्रेस से घर से भागे दो नाबालिग दोस्त को उतारा गया। दोनों इंदौर के रहने वाले हैं। परिजन की डांट से नाराज होकर घर से भाग निकले थे। गुरुवार को आरपीएफ ने ट्रेन से उतारा। इसके बाद उन्हें सीडब्ल्यूसी पेश किया। सूचना के बाद शुक्रवार को उनके परिजन इंदौर से नर्मदापुरम पहुंचे।

नाबालिग बच्चों में एक की उम्र 11 साल है। एक बालक को उसके परिजन ने डांटा था। जिससे वो नाराज हो गया। उसने अपने दोस्त को साथ किया और मुंबई जाने के लिए इंदौर से निकल गए।

ट्रेन से भोपाल, फिर भोपाल से इटारसी, नर्मदापुरम पहुंचे थे।

गुरुवार को आरपीएफ उप निरीक्षक संतोष पटेल स्टाफ के साथ इटारसी से नर्मदापुरम स्टेशन तक गाड़ी संख्या 11058 में अवैध वेंडर किन्नर कर रहे थे। कोच में दोनों नाबालिग में दिखे। जिनसे पूछने पर उन्होंने बताया कि इंदौर के रहने वाले हैं, जो घर से नाराज होकर भाग कर आएं है और मुंबई जा रहे हैं, जिन्हें नर्मदापुरम में उतारा गया। उनके परिजन को सूचना दी। बाद में आरपीएफ ने बाल कल्याण समिति के समक्ष बच्चों को पेश किया। समिति ने बच्चों को फैसिलिटी सेंटर में भेज दिया। शुक्रवार को उनके परिजन नर्मदापुरम पहुंचे। काउंसलिंग के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई होगी।

खरगोन-बामखल मार्ग पर पुलिया धंसी, स्कूल बसें बंद

भारी वाहनों के दबाव से स्थिति गंभीर, 40 गांवों का संपर्क प्रभावित

खरगोन, एजेंसी। खरगोन से बामखल जाने वाली सड़क पर एक पुलिया धंस गई है, जिससे लोगों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। भारी वाहनों के लगातार दबाव के कारण पुलिया और सड़क दोनों खराब हो गए हैं। बामखल में सोसायटी के पास सड़क का बड़ा हिस्सा भी धंस गया है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से रोजाना गिट्टी और रेत से भरे 20 टन से अधिक वजनी ट्राले गुजरते हैं, जबकि सड़क इतनी मजबूती की नहीं है।

2 दिन बाद भी नहीं हुई कार्रवाई: स्थानीय निवासी शंकर यादव, अतुल शर्मा और नरेंद्र यादव ने बताया कि पुलिया खराब होने के कारण स्कूल बसें अब गांव तक नहीं आ पा रही हैं। बच्चों को छोटे वाहनों से स्कूल भेजना पड़ रहा है, जिससे हादसे का डर बना रहता है।

ग्रामीणों ने बताया कि पुलिया में दरार आए दो दिन हो चुके हैं, लेकिन अभी तक प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की है। खरगोन और गोगावा की ओर से आने वाले भारी वाहन भी इसी रास्ते से गुजरते हैं, जिससे सड़क की हालत और बिगड़ रही है।

किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि भारी वाहनों की आवाजाही तुरंत रोकी जाए और पुलिया व सड़क की जल्द मरम्मत कराई जाए। यह सड़क करीब 40 गांवों को जोड़ती है और किसान इसी रास्ते से अपनी उपज मंडी तक ले जाते हैं। सड़क खराब होने से वाहनों में खराबी और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है।

सीहोर में दीपोत्सव पर कम ऑर्डर से कारीगर दुखी

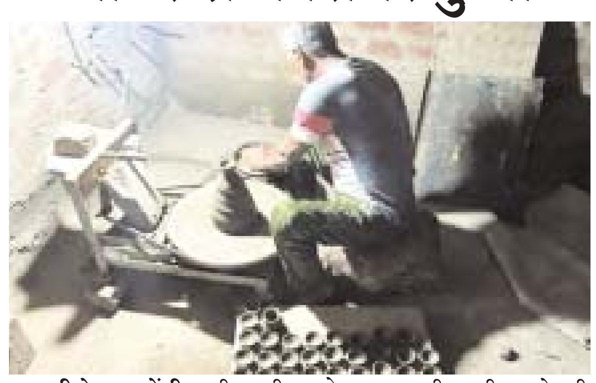

सीहोर, एजेंसी। दीपावली का त्योहार नजदीक है, लेकिन सीहोर के मिट्टी के दीपक बनाने वाले कारीगरों को इस साल भारी नुकसान का डर सता रहा है। बाजार में मिट्टी के दीपकों की मांग में भारी गिरावट आई है, जिससे उनकी आजीविका पर संकट गहरा गया है। कारीगरों का कहना है कि यदि एक दीपक 2 रुपए में नहीं बिका तो उन्हें घाटा उठाना पड़ेगा।

कारीगरों के अनुसार, इस साल रुक-रुक कर हुई लंबी बारिश के कारण उन्हें मिट्टी सहित अन्य कच्चा माल जुटाने में काफी परेशानी हुई है। इसके अलावा, बाजार में मंदी का दौर भी है, जिससे दीपकों की मांग काफी कम हो गई है। नगर के गंज क्षेत्र में ऐसे कई कारीगर और मूर्तिकार हैं, जो साल भर दीपावली का बेसब्री से इंतजार करते हैं, क्योंकि यही उनके रोजगार का प्रमुख साधन है। वे दीपक के साथ-साथ मिट्टी की चक्की और अन्य सामग्री भी बनाते हैं। हालांकि, इस साल वे अच्छी बिक्री को लेकर आशान्वित नहीं हैं। मिट्टी के दीपक बनाने वाले कारीगर लालजीराम प्रजापति ने बताया कि उन्हें कच्चा माल मिलने में काफी दिक्कतें आईं। उन्होंने सरकार से मदद और प्रोत्साहन की मांग की, जिससे उन्हें राहत मिल सके।

कारीगरों का यह भी कहना है कि हर साल व्यापारी और किसान पहले ही दीपक, प्रतिमाओं और मिट्टी से बनी चक्की के ऑर्डर दे देते थे, लेकिन इस बार ऐसे आर्डरों की संख्या काफी कम है।

शिप्रा श्मशान में मिले दो युवक, दोनों की मौत :देवास में चाकू के वार कर हत्या की आशंका

देवास,एजेंसी। देवास जिले के औद्योगिक थाना क्षेत्र के ग्राम शिप्रा के श्मशान में सुनवानी महाकाल गांव के दो युवक गुरुवार देर शाम घायल अवस्था में मिले। दोनों को तत्काल इंदौर ले जाया गया, जहां एक युवक की रास्ते में ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने रात को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। दोनों की पहचान विवेक (19) और आशीष (18) के रूप में हुई है, दोनों सुनवानी महाकाल गांव के निवासी है। विवेक पढ़ाई करता था, जबकि आशीष दूध का व्यवसाय करता था। जानकारी के अनुसार, दोनों गांव से शिप्रा दूध डेयरी पर दूध देने आए थे, जिसके बाद वे शिप्रा के श्मशान में गंभीर अवस्था में पाए गए। सूचना मिलने पर मौके पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई और औद्योगिक थाना पुलिस भी पहुंची। गंभीर हालात को देखते हुए परिजनों ने दोनों को इंदौर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। उधर, एएसपी जयवीर सिंह भदौरिया और औद्योगिक थाना टीआई शशिकांत चौरसिया भी बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को घटनास्थल पर जहरीला पदार्थ, खून और उल्टी फैली मिली है।

श्मशान क्यों गए यह पता लगा रही पुलिस : एएसपी जयवीर सिंह भदौरिया ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से कुछ साक्ष्य बरामद किए हैं। उन्होंने कहा कि शाम के समय इन दोनों का मूवमेंट देखा गया था और श्मशान में किस परिस्थिति में पहुंचे, इसकी जांच की जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों के शरीर पर चाकू से वार के निशान थे, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है।

देवरी में 10 लीटर जहरीली शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

स्मेक तस्करी मामले में जमानत पर छूटकर आया था

सागर, एजेंसी। सागर की देवरी पुलिस ने नेशनल हाईवे-44 पर दस लीटर जहरीली शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाने लाकर उससे पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी करीब 7 माह पहले मोतीनगर थाना क्षेत्र में स्मैक की तस्करी करते पकड़ाया था। मामले में जमानत पर बाहर आया था।

पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि शिवधाम मंदिर के आगे छोटू लोधी के बंद टपरा के पास फोर लाइन पर एक युवक शराब बेच रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर आरोपी हाथ में लिया थैला लेकर भागने लगा। जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया।

पूछताछ में उसने अपना नाम राकेश उर्फ भजिया पिता भगवान सिंह लोधी (34) निवासी ग्राम धुलतरा होना बताया। उसके पास से प्लास्टिक के थैले में सफेद रंग की कुपिया बरामद हुई। जिसमें कच्ची और पुरानी शराब थी जो यूरिया से बनाई गई है। कुपी का ढक्कन खोलने पर विषैली गंध आ रही थी। उक्त कुपी को ढक्कन से बंद किया गया। देवरी थाने के प्रधान आरक्षक मनोज मिश्रा ने बताया कि कार्रवाई में 10 लीटर जहरीली शराब जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। थाने लाकर उसके खिलाफ आबकारी एक्ट समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी राकेश लोधी के खिलाफ पूर्व से अपराध दर्ज हैं।

नेपानगर वार्ड 6 में गंदगी पर रहवासियों ने जताया आक्रोश

जनप्रतिनिधियों पर अनदेखी का आरोप

बुरहानपुर,एजेंसी। बुरहानपुर के नेपानगर के वार्ड नंबर छह में शुक्रवार सुबह रहवासियों ने गंदगी की समस्या को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पालिका इस ओर ध्यान नहीं दे रही है और जनप्रतिनिधि केवल वोट मांगने आते हैं, समस्याओं का समाधान नहीं करते। रहवासियों ने बताया कि वार्ड में चारों ओर गंदगी फैली हुई है, जिससे महिलाओं को काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने पार्षद से भी शिकायत की थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। गंदगी के कारण हरी घास उग आई है, जिसमें जीव-जंतु होने से जान का खतरा बना रहता है।

गंदगी को लेकर रहवासियों में आक्रोश: प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि नगर पालिका अध्यक्ष ने इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया, तो वे सारा कचरा सड़क पर फेंक देंगे। इस दौरान कई महिलाओं ने भी गंदगी को लेकर अपना आक्रोश व्यक्त किया।

इस मामले पर नेपानगर की नगर पालिका अध्यक्ष भारती विनोद पाटील ने कहा कि कचरा गाड़ी नियमित रूप से वार्ड में जाती है। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ लोग गाड़ी जाने के बाद भी कचरा फेंक देते हैं, लेकिन उन्होंने आश्वासन दिया कि जो भी समस्या आ रही है, उसका तत्काल निराकरण कराया जाएगा।

पाटील ने यह भी कहा कि वह वार्ड नंबर छह में जाकर स्थिति का जायजा लेंगी। उन्होंने दोहराया कि कुछ लोगों द्वारा गाड़ी जाने के बाद कचरा फेंकने से यह समस्या उत्पन्न हो सकती है, लेकिन इसका समाधान निश्चित रूप से किया जाएगा।

2 लाख नकद, 9.42 लाख के उपकरण जब्त

नाहरगढ़ पुलिस ने सट्टे लगाते रंगे हाथों पकड़ा

मंदसौर, एजेंसी। द मंदसौर जिले की नाहरगढ़ पुलिस ने अवैध वायदा कारोबार (MCX सट्टा) के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने गुरुवार को एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 लाख रुपए नकद और 9 लाख 42 हजार रुपए के उपकरण जब्त किए हैं। जब्त की गई कुल सामग्री की कीमत 11 लाख 42 हजार रुपए बताई जा रही है।

कार्यवाहक एएसआई कैलाश सिंह बघैल को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कचनारा रुपनी के बीच योगी ढाबे के सामने आम रोड पर पुष्कर पोरवाल नामक व्यक्ति अपनी हुंडई वेन्यू कार (MP09ZE0178) में मोबाइल पर एमसीएक्स का सट्टा चला रहा है। सूचना की पुष्टि होने पर पुलिस टीम तत्काल बताए गए स्थान पर पहुंची और आरोपी पुष्कर पोरवाल को सट्टा लगाते हुए रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी पुष्कर पोरवाल पिता रमेशचंद्र पोरवाल, विश्निया, थाना नाहरगढ़, जिला मंदसौर का निवासी है। उसके खिलाफ थाना नाहरगढ़ में धारा 4 (क) पब्लिक गैंबलिंग एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

नाहरगढ़ थाना प्रभारी वरुण तिवारी ने बताया कि पुलिस ने आरोपी के पास से 2 लाख रुपए नकद, एक लैपटॉप, दो मोबाइल फोन, एक सट्टा हिसाब-किताब रजिस्टर और हुंडई वेन्यू कार क्रमांक MP09ZE0178 जब्त की है। जब्त की गई सभी सामग्री का कुल मूल्य 11 लाख 42 हजार रुपए है।

दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम इंदौर में किया जाएगा, जिसके बाद शव उनके गांव लाए जाएंगे। इस घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है और वे पुलिस से हमलावरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं।

डिंडौरी में संत सिर के बल कर रहे नर्मदा परिक्रमा

विश्व शांति और मानव कल्याण के लिए लिया संकल्प

डिंडौरी, एजेंसी। डिंडौरी में एक संत दिगंबर धर्मपुरी महाराज मानव कल्याण और विश्व शांति के लिए अनोखी परिक्रमा कर रहे हैं। वे सिर के बल, हाथों के सहारे नर्मदा की परिक्रमा कर रहे हैं। यह परिक्रमा अमरकंटक स्थित मां नर्मदा के उद्गम स्थल माई की बगिया से विजय दशमी के दिन शुरू हुई थी।

हर दिन तीन किलोमीटर की यात्रा करते है संत: संत धर्मपुरी महाराज प्रतिदिन लगभग तीन किलोमीटर की यात्रा सिर, हाथों के बल पूरी करते हैं। उनकी इस यात्रा में संतों की एक टोली भी साथ चल रही है, जो उनके विश्राम, भोजन और भजन की व्यवस्था करती है।

संत धर्मपुरी महाराज ने बताया कि उन्होंने यह संकल्प अपने गुरु शंकरपुरी महाराज के आदेश पर लिया है। उनका उद्देश्य विश्व शांति और मानव कल्याण है। गुरु शंकरपुरी महाराज भी उनके साथ चल रहे हैं और शिष्य की पूरी व्यवस्था संभाल रहे हैं।

पहले भी चार बार कर चुके है नर्मदा परिक्रमा: धर्मपुरी महाराज के मुताबिक इस परिक्रमा को पूरा होने में चार से पांच साल लग सकते हैं, जबकि सामान्य नर्मदा परिक्रमा में लगभग तीन साल, 13 महीने और 13 दिन लगते हैं। उन्होंने पहले भी चार बार नर्मदा परिक्रमा की है और यह उनकी पांचवीं परिक्रमा है। गुरु शंकरपुरी महाराज ने कहा कि यह अधोमुखी नर्मदा परिक्रमा है और हर किसी के अपने इष्ट देव को प्रसन्न करने के अलग-अलग तरीके होते हैं।

बालाघाट के परसवाड़ा में तीन साल में 5 सचिव बदले, दो माह में फिर तबादला; सरपंच ने विकास कार्य रुकने की आशंका जताई

बालाघाट, एजेंसी। बालाघाट में परसवाड़ा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत लीलामेटा में लगातार सचिवों के तबादले से ग्रामीण और सरपंच नाराज हैं। तीन साल में पांच सचिव बदले जाने के बाद, दो माह पहले पदस्थ हुए सचिव भादू यादव के तबादला को रोकने की मांग को लेकर शुक्रवार को सरपंच और ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। ग्राम पंचायत लीलामेटा के सरपंच बुधराम टेकाम ने बताया कि उनके तीन साल के कार्यकाल में यह पांचवां सचिव है, जिसका दो माह बाद ही तबादला किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बार-बार सचिव बदलने से ग्राम विकास के कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। **तबादलों से कार्य प्रभावित:** सरपंच टेकाम के अनुसार, ग्राम विकास के कार्य काफी प्रयासों के बाद स्वीकृत होते हैं, लेकिन सचिवों के लगातार तबादला से ये कार्य ठप पड़ जाते हैं। नए सचिव पुराने सचिवों के कार्यों को मान्यता नहीं देते, जिससे पंचायत के कामकाज में बाधा आती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि दो माह पहले पदस्थ हुए सचिव भादू यादव का तबादला रद्द किया जाए, ताकि ग्राम विकास के कार्य बिना किसी बाधा के जारी रह सकें।

रोहित, कोहली की मौजूदगी में गिल को कप्तान के तौर पर बेहतर होने का मौका मिलेगा : अक्षर पटेल

पर्थ, एजेंसी। बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल ने शुक्रवार को यहां कहा कि भारतीय वनडे टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा की मौजूदगी शुभमन गिल को एक कप्तान के तौर पर बेहतर होने में मदद करेगी। भारतीय टीम रविवार को तीन मैचों की श्रृंखला के पहले वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी। टीम के यहां पहुंचने के बाद दूसरे अभ्यास सत्र के बाद अक्षर ने कहा कि मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पहली बार भारत के लिए खेलने को तैयार रोहित और कोहली पहले की तरह ही चुस्त दिख रहे हैं।

भारत ने रोहित की अगुवाई में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। इसके बावजूद गिल को इस दौरे पर वनडे टीम की कमान सौंपी गयी है। अक्षर ने ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड के साथ एक संयुक्त बातचीत में कहा, ''गिल के लिए यह एकदम सही है। रोहित भाई और विराट भाई मौजूद हैं और इसके साथ ही वे कप्तान भी रहे हैं।

इसलिए वे अपना योगदान भी दे सकते हैं। ऐसे में कप्तान के तौर पर गिल का अच्छा विकास होगा। गिल की कप्तानी में अब तक जो अच्छी बात रही है, वह यह है कि उन पर दबाव हावी नहीं हुआ है।

रोहित और कोहली को प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेले हुए काफी समय हो गया है लेकिन अक्षर ने कहा कि वह पहले की तरह ही फिट और चुस्त दिख रहे हैं। उन्होंने कहा, 'वे दोनों विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं। उनके फॉर्म (लय) के बारे में हमें शुरुआती वनडे मैच के बाद पता चलेगा। वे पेशेवर हैं, इसलिए उन्हें पता है कि क्या करना है। वे बेंगलुरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (उत्कृष्टता केंद्र)' में अभ्यास कर चुके हैं, इसलिए मुझे लगता है कि वे खेलने के लिए तैयार हैं।

एक दशक पहले भारतीय खिलाड़ी के रूप में पहली बार ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने वाले इस हरफनमौला ने कहा, 'वे अभ्यास सत्र के दौरान अपने खेल और फिटनेस दोनों में बहुत अच्छे दिख रहे हैं। अक्षर सहित अधिकांश भारतीय क्रिकेटरों ने ऑस्ट्रेलिया में काफी क्रिकेट खेला है। ये खिलाड़ी परिस्थितियों को लेकर मानसिक रूप से सहज महसूस करते हैं। अक्षर ने कहा कि ड्रेसिंग रूम में बातचीत विपक्षी टीम के खिलाफ रणनीति बनाने पर ज्यादा केंद्रित होती है। हम पिचों की उछाल और प्रकृति के बारे में ज्यादा बातचीत नहीं करते है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि 2015 (ऑस्ट्रेलिया में उनका पहला दौरा) के बाद से काफी बदलाव हुए हैं। उस समय हमें ऑस्ट्रेलिया का ज्यादा अनुभव नहीं था ऐसे में हम पिचों, परिस्थितियों और उछाल के बारे में बात करते थे। उन्होंने कहा, '2015 विश्व कप के बाद हमने नियमित रूप से खेलना शुरू किया और श्रृंखला लंबी होने लगी। उसके बाद बल्लेबाजों ने और बेहतर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, 'हमें यहां अब ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों जैसा महसूस नहीं होता। हमें ज्यादा बेहतर तरीके से तैयार रहना पड़ता है। अक्षर ने कहा, 'हम अब इस बारे में सोच रहे हैं कि हम कहां रन बना सकते हैं, इसलिए हम रणनीति और टाइमिंग पर बात कर रहे हैं। हम पिच की नहीं, बल्कि इस बारे में बात कर रहे हैं कि हम कैसे रणनीति बना सकते हैं। रविंद्र जडेजा की गैरमौजूदगी से इस श्रृंखला में अक्षर को बड़ी ज़िम्मेदारी निभानी होंगी। उन्होंने कहा, 'मैं इस श्रृंखला को लेकर बहुत आश्वस्त हूं। एशिया कप में मैंने बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया था। लंबे समय (2022 टी20 विश्व कप) के बाद मैं ऑस्ट्रेलिया में खेलूंगा। मैं इस चुनौती के लिए तैयार हूं।

महिला विश्व कप- एलिसा हिली का शतक, ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को 10 विकेट से हराया

विशाखापत्तनम, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में एकतरफा जीत हासिल की है। बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 199 रन का लक्ष्य दिया था। सलामी बल्लेबाजों एलिसा हिली और फोएबे लिचफिल्ड की जोड़ी ने 24.5 ओवर में 202 रन की साझेदारी कर टीम को 10 विकेट से जीत दिला दी।एलिसा हिली ने 77 गेंद पर 20 चौकों की मदद से नाबाद 113 रन बनाए। लिचफिल्ड ने 72 गेंद पर 1 छक्के और 12 चौकों की मदद से नाबाद 84 रन की पारी खेली। हिली और लिचफिल्ड के सामने बांग्लादेश के गेंदबाज असहाय नजर आए। जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर गई है। ऑस्ट्रेलिया ने 5 मैचों में 4 जीत और रद्द मैच से 1 अंक लेकर 9 अंक हासिल किए हैं। बांग्लादेश की 5 मैचों में यह चौथी हार थी। हार के साथ ही बांग्लादेश के सेमीफाइनल खेलने की संभावना लगभग खत्म हो गई है।

इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी के सामने जुझारूपन दिखाया। सोभना मोस्टारी बांग्लादेश की तरफ से शीर्ष स्कोरर रहीं। इस बल्लेबाज ने 80 गेंद पर 9 चौकों की मदद से 66 रन की पारी खेली। वह नाबाद रहीं। मोस्टारी ने अपनी टीम के लिए एंकर का रोल निभाया और यह सुनिश्चित किया कि टीम पूरे 50 ओवर तक खेले। उन्हें सलामी बल्लेबाज रूबीया हैदर का अच्छा साथ मिला। हैदर ने 59 गेंद पर 8 चौकों की मदद से 44 रन की पारी खेली। शर्मिन अख्तर ने 19 और कप्तान निगार सुल्ताना ने 12 रन बनाए। बांग्लादेश ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 198 रन बनाए थे।

ऑस्ट्रेलिया के लिए एश्ले गार्डनर, एनाबेल सदरलैंड, अलाना किंग और जॉर्जिया वॉरहम ने 2-2 विकेट लिए। मेगन स्कट ने 1 विकेट लिया।

फीफा को लेकर फैंस में भारी क्रैज, विश्व कप 2026 के 10 लाख से अधिक टिकट बिके, ये हैं शीर्ष 10 देश

मियामी, एजेंसी। फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा ने इस महीने की शुरुआत में आधिकारिक तौर पर टिकट बिक्री शुरू होने के बाद से अपने पहले अपडेट में बताया कि अगले साल होने वाले विश्व कप के 10 लाख से अधिक टिकट बिक चुके हैं।

उम्मीद के मुताबिक सबसे अधिक मांग अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको के खरीदारों की ओर से रही। ये तीन देश इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेंगे। फीफा ने कहा कि 212 अलग-अलग देशों और क्षेत्रों के लोग पहले ही टिकट खरीद चुके हैं जबकि अभी टूर्नामेंट के लिए 48 में से केवल 28 ही टीम तय हुई हैं। फीफा ने कहा कि टिकट खरीदने के मामले में शीर्ष 10 देश में इंग्लैंड, जर्मनी, ब्राजील, स्पेन, कोलंबिया, अर्जेंटीना और फ्रांस भी शामिल हैं। यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई तक चलेगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने विज्ञप्ति में कहा, 'दुनिया भर की राष्ट्रीय टीमें ऐतिहासिक फीफा विश्व कप 2026 में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं और मुझे खुशी है कि इतने सारे फुटबॉल प्रेमी भी उत्तरी अमेरिका में इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'यह एक अविश्वसनीय प्रतिक्रिया है और एक अद्भुत संकेत है कि इतिहास का सबसे बड़ा, सबसे समावेशी फीफा विश्व कप दुनिया भर के समर्थकों का ध्यान आकर्षित कर रहा है।

अभिषेक शर्मा और स्मृति मंधाना को आईसीसी ने सितंबर महीने के श्रेष्ठ खिलाड़ी के सम्मान से नवाजा

नई दिल्ली। आईसीसी ने भारतीय टी20 टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को सितंबर महीने के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के सम्मान से नवाजा है।बाएं हाथ के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एशिया कप 2025 में शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। अभिषेक ने सात मैचों में 44.85 की औसत और 200 के स्ट्राइक रेट से 314 रन बनाए थे। वे टूर्नामेंट के श्रेष्ठ स्कोरर थे। इसी प्रदर्शन के आधार पर अभिषेक को सितंबर महीने का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया। अभिषेक ने इस पुरस्कार के दौर में अपनी टीम के साथी खिलाड़ी कुलदीप यादव और जिम्बाब्वे के बल्लेबाज ब्रायन बेनेट को पछाड़ा।

आईसीसी द्वारा जारी एक बयान में अभिषेक ने गुरुवार को कहा, ÷पुरस्कार जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है और मुझे खुशी है कि यह पुरस्कार कुछ महत्वपूर्ण मैचों के लिए मिला है जिनमें मैं टीम को जीत दिलाने में मदद कर सका। मुझे उस टीम का हिस्सा होने पर गर्व है जो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी जीत दिला सकती है। अभिषेक ने कहा, ÷टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हमारा हालिया रिकॉर्ड हमारी उत्कृष्ट टीम संस्कृति और सकारात्मक सोच को दर्शाता है। मैं टीम प्रबंधन को उनके मार्गदर्शन के लिए और अपने सभी साथियों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं उस पैनल का भी आभारी हूं जिसने मुझे इस पुरस्कार के लिए चुना। महिला श्रेणी में सितंबर महीने के लिए सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का पुरस्कार स्मृति मंधाना को दिया गया। स्मृति ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज में 58, 117, और 125 रनों की पारी खेली थी। मंधाना ने सीरीज में 77 की औसत और 135.68 के स्ट्राइक रेट से 308 रन बनाए थे। मंधाना ने इस पुरस्कार की रेस में दक्षिण अफ्रीका की तजमीन ब्रिट्स और पाकिस्तान की सिदरा अमीन को पछाड़ा। मंधाना ने कहा, ÷सितंबर 2025 के लिए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार पाकर मैं सचमुच सम्मानित महसूस कर रही हूं। इस तरह का सम्मान मुझे एक खिलाड़ी के रूप में आगे बढ़ने और विकसित होने के लिए प्रेरित करता है। यह सम्मान उस समर्थन, विश्वास और प्रयास को भी दर्शाता है जो हम एक टीम के रूप में सामूहिक रूप से एक साथ देते हैं। मेरा लक्ष्य हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना और टीम के लिए मैच जीतना रहा है।

धर्मेंद्रसिंह जडेजा की शानदार गेंदबाजी, 7 विकेट लेकर कर्नाटक को 372 रन पर समेटा

राजकोट, एजेंसी। बाएं हाथ के स्पिनर धर्मेंद्रसिंह जडेजा के 124 रन देकर 7 विकेट झटकने से सौराष्ट्र ने यहां रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी मैच के दूसरे दिन कर्नाटक को पहली पारी में 372 रन पर समेट दिया। कर्नाटक ने 5 विकेट पर 295 रन से आगे खेलते हुए जडेजा की शानदार गेंदबाजी के आगे आखिरी पांच विकेट महज 77 रन में गंवा दिए। अर्धशतक जड़ने वाले स्मरण रविचंद्रन (77) अपने कल के स्कोर में महज 11 रन ही जोड़ सके जबकि अनुभवी श्रेयस गोपाल (95 गेंद में 56 रन, चार चौके, दो छक्के) और शिखर शेट्टी (41) ने उपयोगी योगदान देकर कर्नाटक को 372 रन तक पहुंचाया। कर्नाटक के लिए बुधवार को देवदत्त पडिक्कल (96 रन) और करुण नायर (73 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 146 रन जोड़े थे। सौराष्ट्र ने दूसरे दिन स्टंप तक 60 ओवर में चार विकेट पर 200 रन बना लिए थे जिससे वह पहली पारी के हिसाब से कर्नाटक से 172 रन पीछे है। विकेटकीपर हार्विक देसाई (41) और चिराग जानी (90 रन) ने पहले विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी कर सौराष्ट्र को मजबूत शुरुआत दिलाई।

दिन का खेल समाप्त होने तक अर्पित वासवडा (नाबाद 12) और प्रेरक मांकड़ (नाबाद 20) क्रीज पर थे। बल्ले से शानदार प्रदर्शन के बाद गोपाल ने गेंद से भी शानदार प्रदर्शन किया और 51 रन देकर तीन विकेट चटकाए। तिरूवंनतपुरम में महाराष्ट्र की टीम पहली पारी में 239 रन पर आउट हो गई और इसके जवाब में केरल ने स्टंप तक तीन विकेट गंवाकर 35 रन बना लिए थे। महाराष्ट्र के लिए रूतुराज गायकवाड (91 रन) के अलावा जलज सक्सेना ने 49 रन का योगदान दिया। पोरवोरिम में ललित यादव (213 रन) और अभिनव तेजा (205 रन) के शानदार दोहरे शतकों के बाद गोवा की पहली पारी 566 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में चंडीगढ़ ने एक विकेट गंवाकर 34 रन बना लिए थे।

यह एकमात्र विकेट महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने झटका। इंदौर में पंजाब की टीम सारांश जैन के (75 रन देकर) छह विकेट झटकने से पहली पारी में 232 रन पर सिमट गई जिसके जवाब में मध्य प्रदेश ने स्टंप तक छह विकेट गंवाकर 305 रन बना लिए थे और रजत पाटीदार 107 रन की शतकीय पारी खेलकर क्रीज पर डटे हुए हैं। पंजाब के लिए नमन धीर और प्रेरित दत्ता ने तीन तीन विकेट चटकाए।

ग्रेटर नोएडा में 14 नवंबर से शुरू होगा विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 14 से 21 नवंबर तक विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल 2025 का आयोजन होगा। इसमें दुनिया के शीर्ष मुक्केबाज नजर आएंगे।भारत में पहली बार आयोजित सप्ताह भर चलने वाले इस आयोजन में 2025 में अलग-अलग चरण में जीत दर्ज करने वाले विजेताओं सहित शीर्ष मुक्केबाज एक मंच पर विश्व मुक्केबाजी कप ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करते नजर आएंगे। 10 भार वर्ग में होने वाली प्रतिस्पर्धा में महिला और पुरुष मुक्केबाज हिस्सा लेंगे। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, फ़विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल की मेजबानी यह दर्शाती है कि भारतीय मुक्केबाजी न केवल प्रदर्शन के मामले में, बल्कि विश्व स्तरीय आयोजनों को आयोजित करने की हमारी क्षमता में भी प्रगति कर चुकी है। भारत 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करने वाला है और 2036 में ओलंपिक खेलों का आयोजन करने की आकांक्षा रखता है, यह उस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में, हमने ऐसी प्रणालियां विकसित की हैं जिनसे लगातार अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता तैयार होते रहे हैं, और यह टूर्नामेंट हमें अपनी धरती पर उस प्रगति को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है। यह हमारे और हमारे मुक्केबाजों दोनों के लिए एक निर्णायक क्षण है। पहले 2024 संस्करण की सफलता के आधार पर—जिसमें इंग्लैंड, अमेरिका और मंगोलिया में चरण आयोजित किए गए थे, और उसके बाद इंग्लैंड में फाइनल आयोजित किए गए थे—भारत इस वर्ष के फाइनल में चार स्वर्ण, छह रजत और सात कांस्य सहित 17 पदकों के साथ वैश्विक पदक तालिका में शीर्ष पांच में स्थान पर है। 2025 विश्व मुक्केबाजी कप का पहला चरण ब्राजील के फोज डू इगुआकु में आयोजित हुआ, जहां भारतीय पुरुष दल ने छह पदक जीते, जिनमें से सबसे खास 70 किग्रा वर्ग में हितेश गुलिया का स्वर्ण पदक रहा।

भारतीय टीम एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप में जगह बनाने के करीब

बिश्केक, एजेंसी। भारतीय अंडर-17 महिला टीम एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप में योग्यता के आधार पर जगह बनाने वाली पहली टीम बनकर इतिहास रचने से बस एक जीत दूर है।भारतीय महिला टीम शुक्रवार को बिश्केक के डोलेन ओमुर्जाकोव स्टेडियम में ग्रुप जी के आखिरी क्वालीफाइंग मुकाबले में उज्बेकिस्तान से भिड़ेगी। इस मैच में जीत से भारतीय टीम की एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप 2026 में जगह पक्की हो जाएगी। इस मैच का सीधा प्रसारण किर्गिज स्पोर्ट टीवी के यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा। कप्तान जुलान नोंगमाईथेम ने कहा कि यह वही मैच है जिसके लिए हम महीनों से मेहनत कर रहे थे।

नोंगमाईथेम ने कहा, ÷किर्गिज गणराज्य के खिलाफ क्वालीफायर की शुरुआत मुश्किल रही, लेकिन आखिरकार जीत हासिल करके हम खुश हैं। इससे हमें आखिरी मैच से पहले अच्छी बढ़त मिली।÷

भारत अपने बेहतर हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के कारण तीन टीमों के ग्रुप में अभी भी शीर्ष पर है, और उज्बेकिस्तान के खिलाफ एक अंक हासिल करने से वह तालिका में शीर्ष पर पहुंच जाएगा और अगले साल चीन के खिलाफ होने वाले मैच के लिए अपनी जगह पक्की कर लेगा।

मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेडरसन ने कहा, ÷हम ठीक वैसा नहीं खेल पाए जैसा हम चाहते थे। मैच के ज्यादातर समय हम

अपनी तैयारी के दौर में जूझते रहे। लेकिन दूसरे हाफ में, हमने फ्लैंक का ज्यादा प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया और कुछ अच्छे आक्रामक पल बनाए। हालांकि हमारा प्रदर्शन हमारी पूरी क्षमता को नहीं दर्शाता था, फिर भी हम तीन अंक हासिल करके खुश थे, जिसके हम हकदार थे। लगभग दो महीने पहले, एलेक्जेडरसन ने अंडर-20 टीम को एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई कराया था, जिससे 20 साल का इंतजार खत्म हुआ था। भारत ने आखिरी बार एएफसी अंडर-17 महिला चैंपियनशिप में 2005 में खेला था, जब 11 टीमों ने सीधे तौर पर भाग लिया था। हालांकि, क्वालीफाइंग सिस्टम शुरू होने के बाद से, भारत कभी भी एशिया की शीर्ष टीमों में जगह नहीं बना पाया है, और न ही कभी इतने करीब पहुंच पाया है जितना अब है। एलेक्जेडरसन अच्छी तरह जानती हैं कि यह न सिर्फ अंडर-17 लड़कियों के लिए, बल्कि भारत में महिला फुटबॉल के लिए भी बड़ा प्रोत्साहन हो सकता है, खासकर तब जब सीनियर टीम ने पहली बार 2026 एशियन कप के लिए योग्यता के आधार पर क्वालीफाई किया है।

कैंसर को हराकर मैदान में लौटा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, बोले- अब हर गेंद मेरे लिए जिंदगी का तोहफा है

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर निक मैडिन्सन ने जिंदगी की सबसे कठिन लड़ाई जीत ली है। 33 वर्षीय इस बल्लेबाज ने खुलासा किया कि उन्हें इस साल की शुरुआत में वृषण (टेस्टिक्युलर) कैंसर हुआ था, जिसके बाद उन्होंने कीमोथेरेपी करवाई। लेकिन अब वे पूरी तरह से स्वस्थ हैं और दोबारा क्रिकेट मैदान पर लौट आए हैं। मैडिन्सन ने तीन टेस्ट और छह वनडे मैचों में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया है और फिलहाल न्यू साउथ वेल्स टीम का हिस्सा हैं। मार्च में टीम से बाहर होने के कुछ ही समय बाद उन्हें इस बीमारी का पता चला था, जिसने उनकी जिंदगी को झकझोर दिया।

कैंसर फैल चुका था पेट और फेफड़ों तक : मैडिन्सन ने बताया, जब डॉक्टरों ने कहा कि मुझे कीमोथेरेपी करनी पड़ेगी, तो यह सुनकर मैं अंदर से हिल गया था। कैंसर मेरे पेट के लिम्फ नोड्स और फेफड़ों तक फैल चुका था। यह मेरे जीवन का सबसे कठिन दौर था। उन्होंने बताया कि कीमो के शुरुआती हफ्तों में उन्होंने शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर बड़ी चुनौती झेली। उन्होंने कहा, दूसरे या तीसरे हफ्ते तक मेरे सारे बाल झड़ गए थे। स्टेरॉयड की वजह से मैं रातभर जागता रहता था। थकान इतनी ज़्यादा थी कि लगता था बस सोता ही रहूँ। वो नौ हफ्ते मेरी जिंदगी के सबसे लंबे और भारी दिन थे।

पत्नी गर्भवती थीं, फिर भी उन्होंने हिम्मत दी : कीमोथेरेपी के दौरान मैडिन्सन की पत्नी बियांका उनके दूसरे बच्चे के साथ गर्भवती थीं। इस दौर को याद करते हुए उन्होंने कहा, यह हमारे परिवार के लिए बेहद कठिन समय था। लेकिन बियांका ने मुझे टूटने नहीं दिया। उन्होंने मुझे लगातार मजबूत बने रहने के लिए प्रेरित किया। मैडिन्सन ने बताया कि बीमारी के बावजूद उन्हें अपनी पत्नी और परिवार से जो प्यार और सपोर्ट मिला, वही उनकी असली ताकत बना।

जांच में देर न करें, यही मेरी सीख है : अब जब मैडिन्सन पूरी तरह से स्वस्थ हैं, उन्होंने क्रिकेट में वापसी की शुरुआत न्यू साउथ वेल्स के साथ ट्रेनिंग से की है। उन्होंने कहा, यह जानना डरावना था कि बीमारी इतनी जल्दी फैल गई थी।

स्वामित्व योजना के शेष प्रकरणों का 31 अक्टूबर तक प्रारूप प्रकाशन कराएं: कलेक्टर

पटाखे की दुकानों में सुरक्षा के समुचित प्रबंध कराएं: कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बाणसागर सभागार कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि दीपावली तथा अन्य त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की सतत निगरानी रखें। पुलिस अधिकारियों के साथ क्षेत्र का नियमित रूप से भ्रमण करें। पटाखा बिक्री की दुकानों को एस शेप में स्थापित कराएं। दो दुकानों के बीच में कम से कम तीन मीटर का अंतर रखें। बिक्री स्थल पर पर्याप्त मात्रा में रेत और रेत भरी बाल्टी रखवाएं। इन स्थानों में वाहनों की पार्किंग और प्रकाश की भी समुचित व्यवस्था कराएं। केवल निर्धारित स्थल से ही पटाखा की बिक्री होगी। निर्धारित स्थल के अलावा यदि कहीं पर भी पटाखा और आतिशबाजी की बिक्री पाई जाती है तो कठोर कार्यवाही करें।

एसडीएम पटाखा गोदामों का भी निरीक्षण करके भण्डारित मात्रा की जाँच करें। त्यौहारों के दौरान अधिकारी और कर्मचारी निर्धारित मुख्यालय में रहें।

कलेक्टर ने कहा कि स्वामित्व योजना से त्योंथर तथा जवा तहसीलों में बड़ी संख्या में प्रकरण लंबित हैं। इनके निराकरण में आर रही तकनीकी बाधा को प्रभारी अधिकारी दूर कराएं। स्वामित्व योजना में शेष बचे सभी प्रकरणों का 31 अक्टूबर तक अनिवार्य रूप से प्रारूप प्रकाशन कराएं। तहसीलदार जवा और त्योंथर स्वामित्व योजना के प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। सीएम हेल्पलाइन में राजस्व विभाग में किसान सम्मान निधि के प्रकरण बड़ी संख्या में दर्ज हैं। अपात्र किसानों के आवेदन बंद कराएं। पात्र किसानों के संबंध में वस्तु स्थिति की जानकारी पोर्टल में दर्ज करें। सभी तहसीलदार सितम्बर और अक्टूबर माह में दर्ज शिकायतों तथा 50 दिन से अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण कराएं। तहसीलदार फार्मर रजिस्ट्री के भी प्रकरण पटवारियों के माध्यम से निराकृत कराएं।

कलेक्टर ने कहा कि दो अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक स्वच्छता सेवा माह मनाया जा रहा है। इस अवधि में कार्यालयों की साफ-सफाई कराएं तथा कार्यालय अभिलेख व्यवस्थित कराएं। इसके साथ-साथ सभी अधिकारी लंबित प्रकरणों का निराकरण भी सुनिश्चित करें। सभी एसडीएम प्रकरणों के निराकरण की हर सप्ताह रिपोर्ट प्रस्तुत करें। बैठक में कलेक्टर ने नरवाई प्रबंधन, सड़कों के सुधार तथा पेयजल व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर जीपी अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर सुधीर बेक तथा सभी तहसीलदार उपस्थित रहे।

जनपद पंचायत जवा में प्रशासनिक सम्मान सभा की बैठक सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के जवा जनपद पंचायत सभागार में प्रशासनिक सम्मान सभा की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जनपद अध्यक्ष रन्नू पांडेय और जनपद सीईओ सुलभ सिंह उपस्थित रहे। बैठक में जनपद सदस्यों और सभी विभागों के ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को उपस्थित होना था, लेकिन सम्मान सभा में अधिकांश विभागों के अधिकारी अनुपस्थित रहे। केवल एक-दो विभाग के अधिकारी आए, जबकि अन्य ने टाइम कीपर या तृतीय श्रेणी कर्मचारियों को जनसुनवाई में भेज दिया।

इस पर जनपद अध्यक्ष श्रीमती रन्नू पांडे ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें जनपद पंचायत अध्यक्ष बने तीन साल हो गए हैं, और कई प्रशासनिक सम्मान सभा की बैठकें बुलाई गई हैं। लेकिन इन बैठकों में न तो अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित होते हैं, न ही प्रस्तावित एजेंडों पर कोई काम हुआ है। उन्होंने कहा कि अब ये बैठकें केवल फॉर्मेलिटी बनकर रह गई हैं।

जनपद अध्यक्ष ने पुराने एजेंडों पर चर्चा करते हुए कहा कि जनपद पंचायत सीईओ ने रटा-रटाया जवाब दिया कि वह हाल ही में ज्वाइन किए हैं और आगे विचार-विमर्श करेंगे। लेकिन जवा जनपद सीईओ को दो से तीन महीने हो चुके हैं, और काम करने वाले तो 10 दिन में पूरे ग्राम पंचायतों का निरीक्षण कर जानकारी ले लेते हैं।

जनपद सदस्य प्रवल पांडेय ने भी नाराजगी जताते हुए कहा कि अगली प्रशासनिक सम्मान सभा में पूर्णता कार्रवाई होनी चाहिए और अनुपस्थित अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। इस बार भी कई मुद्दों पर एजेंडा प्रस्तावित किए गए हैं, और जनपद सीईओ ने आश्वासन दिया है कि अगली बैठक में पूर्णता रूप से कार्रवाई की जाएगी और अनुपस्थित कर्मचारियों के खिलाफ नोटिस जारी किया जाएगा।

शहर में शराब दुकानों में रातभर बिक्री जारी, शटर और खिड़कियों से धड़ल्ले से बेच रहे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर में नियमों को ताक पर रखकर रात भर शराब की बिक्री की जा रही है। जहां शराब दुकानें निर्धारित समय के बाद भी ग्राहकों को शराब उपलब्ध करा रही है। दुकान बंद होने के बाद शटर के नीचे से और विशेष रूप से बनाई गई खिड़कियों के माध्यम से अवैध बिक्री हो रही है। इस तरह आधी रात तक शराब दुकानों के बाहर असामाजिक तत्वों की भीड़ जुटती है। वहीं दूसरी तरफ शहर में आपराधिक मामलों का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि शासन द्वारा शराब दुकानों के संचालन का समय निर्धारित है,

लेकिन आबकारी विभाग की लापरवाही के कारण रात में भी शराब की बिक्री जारी है। सामने आए इस वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि दुकान बंद होने के बाद भी ग्राहक देर रात तक शराब खरीद रहे हैं।

गुरुवार देर रात शहर के तीन प्रमुख शराब दुकानों पर जाकर पड़ताल की। पाया कि शराब बिक्री रात 12 के बाद भी धड़ल्ले से चल रही है। जिसमें समान क्षेत्र में स्थित शराब दुकान, अमहिया स्थित शराब दुकान और जयस्तंभ स्थिति शराब दुकानें शामिल हैं।

बताया गया कि आबकारी विभाग की भूमिका केवल ग्रामीण इलाकों में छोटे मोटे देशी शराब बनाने वाले लोगों तक सीमित रह गई है। जबकि अब तक नियमों का उल्लंघन करने पर किसी भी तरह की कार्रवाई बड़े शराब ठेकेदार पर नहीं की गई है। बल्कि संरक्षण देने के भी आरोप हैं। आबकारी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि शासन द्वारा जो समय शराब दुकानों में शराब की बिक्री के लिए निर्धारित किया गया है उसी समय में बिक्री होनी चाहिए। जांच कर मामले में कार्रवाई की जाएगी।

झोलाछाप डॉक्टर के इलाज से छिन गई मासूम की जिंदगी, स्वास्थ्य अधिकारियों पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में सीएमएचओ और बीएमओ की सह पर झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है, साथ ही कई अवैध क्लिनिक भी खुली हुई हैं, जहां पैसे के लिए हर मर्ज की दवा की जाती है। जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदकर तमाशा देखते रहते हैं। जबकि जिला कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जांच कर कार्रवाई करें, लेकिन जांच टीम केवल खानापूर्ति कर वापस चली जाती है।

इसका नतीजा यह है कि जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान अंतर्गत ग्राम पंचायत पतौता निवासी 18 वर्षीय गौरव चौरसिया की झोलाछाप डॉक्टरों के कारण मौत हो गई। आरोप है कि गौरव को पेट में दर्द होने पर परिजनों ने महसांव में क्लीनिक संचालन करने वाले झोलाछाप डॉक्टर से प्राथमिक उपचार कराया। उपचार के दौरान डॉक्टर ने

गौरव को गलत इंजेक्शन लगा दिया, जिससे उसके पूरे शरीर में संक्रमण फैल गया।

परिजन गौरव को रीवा के चौरसिया नर्सिंग होम ले गए, लेकिन वहां इलाज के नाम पर पैसे का खेल चला और लाखों का बिल बना दिया गया। जब मरीज की हालत ज्यादा खराब हुई, तो आनन-फानन में रीवा संजय गांधी अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां गौरव की मृत्यु हो गई। मौत के बाद परिजनों ने झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

गांव-गांव में अपनी दुकान सजा कर बैठे झोलाछाप डॉक्टरों की संख्या बढ़ती जा रही है। जब से सीएमएचओ संजीव शुक्ला पदस्थ हुए हैं, तब से स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है।

उनके सह पर पूरे जिले के चौक-चौराहे और ग्रामीण अंचलों में झोलाछाप डॉक्टरों ने अपना पैर जमा लिया है, गरीब मरीजों के जीवन के साथ इलाज के नाम पर खिलवाड़ कर रहे हैं और मोटी रकम भी वसूल रहे हैं। आये दिन हो रही घटनाओं के बावजूद जिम्मेदार बीएमओ और सीएमएचओ द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। आखिर कब तक इन झोलाछाप, बिना डिग्रीधारी डॉक्टरों के हाथों मरीजों की मौत होती रहेगी?

नियम विरुद्ध ऑल इंडिया बसों पर सघन जांच, 8 पर चालानी कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में परिवहन विभाग ने अवैध रूप से संचालित हो रही ऑल इंडिया बसों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए व्यापक जांच अभियान चलाया। परिवहन आयुक्त के विशेष निर्देश पर शुरू हुए इस अभियान में कुल 8 बसों सहित 20 वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई से विभाग ने 63,500 रुपये का टैक्स राजस्व के रूप में वसूला, जो यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

परिवहन अधिकारी रीवा के नेतृत्व में चली इस जांच टीम ने रीवा-प्रयागराज, हनुमना, सीधी-गोविंदगढ़ और सिरमौर जैसे प्रमुख मार्गों पर वाहनों की गहन जांच की। विशेष रूप से ऑल इंडिया रूट पर चलने वाली बसों को रोककर चेक किया गया, जिससे मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन न हो। इन बसों में सीट बेल्ट, यात्री किराया, स्पीड गवर्नर और जीपीएस जैसे अनिवार्य उपकरणों की कमी की जांच की गई।

बाल संप्रेक्षण गृह के बच्चों ने नवीन न्यायालय भवन में लगाई प्रदर्शनी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन एवं उनकी उपस्थिति में एवं प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड विश्वेश्वरी मिश्रा के नेतृत्व में नवीन न्यायालय भवन के कान्फेस हाल में बाल सप्रेक्षण गृह में निवासरत विधि के विरोध में बालकों द्वारा दीपोत्सव के संबंध में बनाये गये कलाकृतियां जैसे पेन स्टैण्ड, माला, दीपक, दीपक स्टैण्ड, वाल हैगिंग इत्यादि की प्रदर्शनी आयोजित की गई। उक्त कलाकृतियों की प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अन्य न्यायाधीशगण व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रीवा समीर कुमार मिश्र द्वारा सराहना की गई एवं कलाकृतियों को कय भी किया गया।

जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुये बताया कि प्रधान मजिस्ट्रेट द्वारा बाल सप्रेक्षण गृह के बालकों की प्रतिभाओं को उभारने हेतु समय-समय पर इस प्रकार की प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। पूर्व में भी रक्षाबंधन के त्यौहार के अवसर पर बाल संप्रेक्षण गृह के बालको द्वारा कलात्मक राखियां व अन्य कलाकृतियों की प्रदर्शनी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में आयोजित की गई थी। बालकों के कलाकृतियां बनाने में अधिक्षिका अर्चना पचौरी तथा प्रशिक्षिका शिवानी पाण्डेय द्वारा प्रशिक्षित किया गया। बाल संप्रेक्षण गृह के अरूण साकेत एवं सतीष वर्मा ने सहयोग प्रदान किया। प्रदर्शनी के अवसर पर चीफ एल.ए.डी.सी.एस सुरेन्द्र सिंह एवं असिस्टेट एल.ए.डी.सी.एस. अनीश पाण्डेय उपस्थित रहें।

उप मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय हीराकली पाठक को दी श्रद्धांजलि

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सिंगरौली जिले के देवसर विकासखंड के सुपेला गांव में विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक की धर्मपत्नी स्वर्गीय हीराकली पाठक के छायाचित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने शोकाकुल परिवार से भेंट कर सांत्वना व्यक्त की।

युवक से मारपीट, जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल का आरोप; 2 लोगों पर मामला दर्ज, कुत्ते को मारने को लेकर हुआ विवाद

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के नईगढ़ी थाना क्षेत्र के बड़ी चमढिया गांव में शुक्रवार को एक युवक के साथ मारपीट और जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल का मामला सामने आया है। फरियादी लवी साकेत (20) ने अपने गांव के ही दो लोगों पर यह आरोप लगाया है। लवी साकेत ने पुलिस को बताया कि वह अपने घर के सामने सड़क किनारे बैठा था, तभी गांव के सुनील साहू और सतीश उर्फ मिट्ठू साहू ने उसके पालतू कुत्ते को डंडा मार दिया। जब लवी ने इसका विरोध किया, तो दोनों आरोपियों ने गाली-गलौज करते

हुए जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया और उस पर हमला कर दिया।

आरोपियों ने जान से मारने की दी धमकी: सुनील साहू ने लवी के सिर पर डंडा मारा, जिससे उसे गंभीर चोट आई। सतीश साहू ने भी डंडे और मुक्कों से हमला किया। शोर सुनकर श्यामलाल साकेत और विनोद कुमार साकेत ने बीच-बचाव किया। जाते-जाते आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी।

दाहिने हाथ के पंजे और दाहिने पैर के घुटने में आई चोट: फरियादी ने बताया कि उसे सिर, दाहिने हाथ के पंजे और दाहिने पैर के घुटने के नीचे चोटें आई हैं। नईगढ़ी पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रधान आरक्षक रामकुमार ने बताया कि घायल का इलाज कराया जा रहा है। पीड़ित के बयान के आधार पर मारपीट और धमकी का प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

रोजगार मेला 27 अक्टूबर को मऊगंज में

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। युवा संगम कार्यक्रम के तहत शासकीय शहीद केदारनाथ स्मृति महाविद्यालय मऊगंज में 27 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 30 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 14000 रुपए से 40 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा। उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में मिग्मा पैकट्रॉन प्रा.लि. इंदौर, इंडसिंड बैंक (बीएफएलएल), एक्सिस बैंक प्रा.लि., श्री राम पिस्टन एण्ड रिंग लि. पथरेडी राजस्थान में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

निरीक्षण दल ने विभिन्न मिठाई की दूकानों का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर मऊगंज के निर्देशन में दीपावली की त्यौहार में गुणवत्ता मिठाईयां का विक्रय सुनिश्चित करने हेतु गठित दल द्वारा हनुमान एवं खटखरी बाजार में संचालित होटल एवं मिठाई की दुकानों का निरीक्षण किया गया। हनुमना स्थित लालजी मिष्ठान भंडार, राजस्थान मिष्ठान भंडार, गंगा मिष्ठान भंडार, राजू मिष्ठान भंडार, संतोष मिष्ठान भंडार एवं खटखरी स्थित दिनेश स्वीट्स, राज स्वीट्स एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर कलाकंद, बर्फी, लडडू, नमकीन, खोवा, पनीर का नमूना लिया गया।

राजस्व अधिकारी खाद वितरण केन्द्रों पर कड़ी निगरानी रखें: कलेक्टर

प्रत्येक वितरण केन्द्र में दो सौ किसानों को खाद तथा शेष को टोकन दें: कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने धान उपार्जन की तैयारियों तथा खाद वितरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि मार्कफेड के अधिकारी प्रत्येक खाद वितरण केन्द्र में पर्याप्त संख्या में काउंटर शुरू करा दें। प्रत्येक काउंटर से प्रतिदिन दो सौ किसानों को खाद का वितरण कराएं। जो किसान शेष बचते हैं उन्हें अगले दिन खाद देने के लिए टोकन प्रदान कर दें। किसी भी स्थिति में खाद वितरण केन्द्र में किसान को

परेशानी न हो। सभी एसडीएम और तहसीलदार खाद वितरण केन्द्रों का नियमित रूप से निरीक्षण करके इन पर कड़ी निगरानी रखें। गेंहू, चने तथा अन्य फसलों की बोनी का समय नजदीक आने के साथ खाद की मांग तेजी से बढ़ेगी। सभी खरीदी केन्द्रों में सुरक्षा के समुचित प्रबंध करें।

कलेक्टर ने कहा कि खाद वितरण के लिए सभी डबल लॉक केन्द्रों में पर्याप्त काउंटर बना दें। खाद वितरण तथा टोकन के लिए अलग-अलग स्थान निर्धारित कर दें। किसानों तथा किसान संगठनों को भी इस संबंध में पूरी जानकारी दे दें। कलेक्टर ने कहा कि धान उपार्जन के लिए सभी खरीदी केन्द्रों में उचित व्यवस्था कर लें। तहसीलदार पंजीकृत किसानों के द्वारा दर्ज धान के रकबे का एक सप्ताह में शत-प्रतिशत सत्यापन कर दें। क्षेत्र का भ्रमण करके ही सत्यापन करें। सिकमी तथा बटाईदार किसान, उपार्जन के लिए पहली बार पंजीयन कराने वाले किसान एवं 5 हेक्टेयर से अधिक रकबे वाले सभी किसानों का अनिवार्य रूप से सत्यापन करें। उपार्जन के समय यदि किसी तरह की गड़बड़ी पाई गई तो रकबे का सत्यापन करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध भी कार्यवाही की जाएगी। किसानों तथा धान के रकबे का गलत पंजीयन करने वाले केन्द्रों पर भी कार्यवाही करें। बैठक में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, सभी एसडीएम, तहसीलदार तथा उपार्जन से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।